

कार्यसूची – 1

कृषि विज्ञान केन्द्र का संक्षिप्त विवरण

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित तथा सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र हापुड की स्थापना 08 जून 2018 को हुई है। केन्द्र के लिए राजकीय पशुधन प्रक्षेत्र विभाग से 12 हेक्टेयर कृषि फार्म का हस्तान्तरण अप्रैल 2018 में हुआ है। जिस पर परिस्थितियों एवं उपलब्ध संसाधन को दृष्टिगत रखते हुए प्रदर्शन एवं बीज उत्पादन का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।

कृषि के क्षेत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र नया मार्गदर्शन करने वाली विज्ञान आधारित ऐसी संस्था है जो कृषको, ग्रामीण युवाओं, कृषक महिलाओं तथा प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के साथ-साथ कृषकों के लिए उनके प्रक्षेत्र पर नई तकनीक का, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एवं किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को ध्यान में रखकर प्रदर्शन करना है तथा उपलब्ध तकनीक को स्थानीय परिवेश के अन्तर्गत किसानों की क्षेत्रीय आवश्यकतानुसार अनुसंधान आधारित तकनीक में यदि सम्भव हो बदलाव करके उन्हें व्यावहारिक रूप प्रदान करना है, इसके अतिरिक्त केन्द्र स्थानीय कृषकों द्वारा समय-समय पर उठाई गयी तकनीकी समस्याओं का फीड-बैक विश्वविद्यालय मुख्यालय को देकर वहा चल रहे अनुसंधान कार्यों को भी सही दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र के उद्देश्य

- स्थान विशेष की समगतिशील भूमि उपयोग प्रणाली के रूप में उत्पादन प्रौद्योगिकी का अभिनिर्धारण करने हेतु कृषकों के प्रक्षेत्र पर प्रक्षेत्र परीक्षण आयोजित करना ।
- उत्पादन आंकड़ों तथा प्रति इकाई सूचनाओं को प्राप्त करने हेतु विभिन्न फसलों पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन ।
- फार्म पर उच्चतर उत्पादन एवं रोजगार उत्पन्न करने हेतु करके सीखने की पद्धति पर बल देते हुए किसानों तथा ग्रामीण युवकों के लिये कृषि तथा इससे सम्बद्ध व्यवसायों/पेशों में लघु एवं लम्बी अवधि के व्यवसायिक प्रशिक्षण आयोजित करना ।

- प्रसार कार्यकर्ताओं को कृषि अनुसंधान में हो रही प्रगति से नियमित रूप से अवगत कराने हेतु प्रशिक्षण आयोजित करना ।
- जनपद में कृषि अर्थव्यवस्था के सुधार हेतु कृषि तकनीकी संसाधन एवं ज्ञान के केन्द्र के रूप में कार्य करना ।

कृषि भूमि क्षेत्रफल

- | | |
|--|------------|
| – कुल भूमि क्षेत्रफल | – 12.0 हे० |
| – प्रशासनिक भवन | – 1.0 हे० |
| – प्रदर्शन इकाई, थ्रेसिंग फ्लोर एवं स्टोर बाउन्ड्रीवाल, नाली, रोड आदि | – नगण्य |
| – फसल आच्छादन | – 11.0 हे० |

केन्द्र पर भवन सम्बन्धी विवरण

| क्र.सं. | बिल्डिंग का नाम | निर्माण की स्थिति |
|---------|--------------------|-------------------|
| 1. | प्रशासनिक भवन | पूर्ण |
| 2. | किसान छात्रावास | प्रस्तावित |
| 3. | स्टॉफ क्वार्टर (6) | प्रस्तावित |
| 4. | प्रदर्शन इकाई | प्रस्तावित |
| 5. | बाउन्ड्री वाल | प्रस्तावित |
| 6. | थ्रेसिंग फ्लोर | प्रस्तावित |
| 7. | स्टोर | प्रस्तावित |
| 8. | सिंचाई नाली | प्रस्तावित |

वाहन –

- | | | |
|-----------------|---|----------------|
| 1. बोलेरो गाड़ी | – | 1 (प्रस्तावित) |
| 2. मोटर साइकिल | – | 1 (प्रस्तावित) |
| 3. ट्रैक्टर | – | 1 (प्रस्तावित) |

केन्द्र पर वर्तमान में कार्यरत स्टाफ

| क्र. स. | स्वीकृत पद | अधिकारी/कर्मचारी का नाम | पद | विषय | केन्द्र पर योगदान की तिथि |
|---------|-----------------------------------|---------------------------|-----------------------------------|--------------|---------------------------|
| 1 | वरि० वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष | डा० हंसराज सिंह | प्राध्यापक एवं अध्यक्ष | सस्य विज्ञान | 02.04.2018 |
| 2 | विषय वस्तु विशेषज्ञ | डा० पी०के० मडके | विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहा० प्रा० | पशु विज्ञान | 20.08.2020 |
| 3 | विषय वस्तु विशेषज्ञ | डा० लक्ष्मीकांत | विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहा० प्रा० | पादप प्रजनन | 20.07.2020 |
| 4 | विषय वस्तु विशेषज्ञ | — | विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहा० प्रा० | मृदा विज्ञान | |
| 5 | विषय वस्तु विशेषज्ञ | — | विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहा० प्रा० | पादप सुरक्षा | — |
| 6 | विषय वस्तु विशेषज्ञ | — | विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहा० प्रा० | सस्य विज्ञान | — |
| 7 | विषय वस्तु विशेषज्ञ | — | विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहा० प्रा० | गृह विज्ञान | — |
| 8 | कार्यक्रम सहायक | — | कार्यक्रम सहायक | — | — |
| 9 | फार्म मैनेजर | डा० अशोक सिंह | फार्म मैनेजर | मृदा विज्ञान | 20.04.2018 |
| 10 | कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर) | श्री नगेन्द्र प्रताप सिंह | कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर) | PGDCA | 17.07.2020 |
| 11 | सहायक | — | कार्यालय अधीक्षक / लेखाकार | एकाउन्ट्स | |
| 12 | जूनियर स्टेनो कम कम्प्यूटर आपरेटर | — | जूनियर स्टेनो कम कम्प्यूटर आपरेटर | — | — |
| 13 | ड्राइवर कम मैकेनिक | — | ड्राइवर | — | — |
| 14 | ड्राइवर कम मैकेनिक | — | ड्राइवर | — | — |
| 15 | चतुर्थ श्रेणी | — | अटेन्डेन्ट | — | — |
| 16 | चतुर्थ श्रेणी | — | — | — | — |

— ग्यारह पद रिक्त

मुख्य फसलों का क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता(2019–20)

| क्र.स. | फसल | क्षेत्रफल (हे०) | उत्पादन (मी०टन) | उत्पादकता (कु०/हे०) |
|------------|-----------------|-----------------|-----------------|---------------------|
| 1 | गेहूँ | 42279.00 | 187000.00 | 44.23 |
| 2 | धान | 28458.00 | 56667.00 | 29.33 |
| 3 | तोरिया | 2238.00 | 2229.00 | 10.25 |
| 4 | सरसों | 2404.00 | 2902.00 | 12.07 |
| 5 | मसूर | 231.00 | 2226.00 | 09.64 |
| 6 | मूँग | 6500.00 | 23055.00 | 04.47 |
| 7 | उर्द | 1122.00 | 6911.00 | 06.16 |
| 8 | अरहर | 1186.00 | 2488.00 | 08.00 |
| 9 | मक्का | 1995.00 | 48837.00 | 24.48 |
| 10 | गन्ना | 36.4 | | 785.6 |
| 11. | सब्जियाँ | | | |
| i. | आलू | 1071 | 24036 | 230.03 |

सूचना स्रोत – कृषि विभाग, हापुड से संकलित

मुख्य कार्य क्षेत्र –

| क्र०.सं०. | फसल/उद्यम | प्रमुख क्षेत्र |
|-----------|--------------------------|--|
| 1 | धान-गेहूँ | धान-गेहूँ पद्धति में समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन |
| 2 | गन्ना-गेहूँ | गन्ना-गेहूँ पद्धति में नवीन पछेती प्रजातियों का समावेश |
| 3 | गन्ना-गेहूँ | गन्ना-गेहूँ पद्धति में एकीकृत पोषक तत्व एवं कीट प्रबन्धन |
| 4 | छलहन | खरीफ व रबी तिलहनी फसलों के क्षेत्रफल में वृद्धि करना |
| 5 | तिलहन | खरीफ व रबी तिलहनी फसलों के क्षेत्रफल में वृद्धि करना। |
| 6 | धान्य/दलहनी/तिलहनी फसलें | फसलों में एकीकृतनाशी जीव प्रबन्धन। |
| 7 | धान्य/दलहनी/तिलहन फसलें | नवीन प्रजातियों को कृषकों में प्रोत्साहित करना। |
| 8 | बीज उत्पादन | विभिन्न फसलों के बीज उत्पादन को प्रोत्साहित करना। |
| 9 | आम | आम के पुराने बागों का जीर्णोधार करना एवं समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन। |
| 10 | अमरूद | बागों का प्रबन्धन एवं बाजार माँग के अनुरूप प्रजातियों का पौध रोपड हेतु प्रोत्साहित करना। |
| 11 | सब्जियाँ | सब्जियों की जैविक खेती को प्रोत्साहित करना। |
| 12 | दुग्ध उत्पादन | दुधारू पशुओं आधार प्रबन्धन तथा रिपीट ब्रीडिंग के प्रति जागरूक करना। |
| 13 | मधुमक्खी पालन | मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करना। |
| 14 | केंचुआ खाद | केंचुआ खाद बनाने को प्रोत्साहित करना। |
| 15 | मशरूम उत्पादन | बेरोजगार युवाओं को मशरूम उत्पादन के प्रति जागरूक करना। |

कार्यसूची – 2

गतवर्ष बैठक की कार्यवाही की अनुपालन आख्या एवं पुष्टि

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की द्वितीय बैठक दिनांक 17 जनवरी, 2020 की प्रमुख संस्तुतियों एवं उन पर क्रियान्वयन :-

| क्र०सं० | नाम | पदनाम | संस्तुति | केन्द्र द्वारा क्रियान्वयन |
|---------|---------------------|---|--|---|
| 1. | डा० गोपाल सिंह | संयुक्त निदेशक प्रसार स०व०प० कृषि एवं प्रौ०, वि०वि०, मेरठ | (क). केन्द्र नवसृजित है संसाधन को ध्यान में रखते हुये केन्द्र की गतिविधियों को समय से पूरा कर बजट व्यय कर लिया जायें। (ख) व्यवसायिक प्रशिक्षण में मशरूम की प्रशिक्षण पर गौर दिया जायें। | (क) संसाधन को देखते हुये बजट के अनुसार केन्द्र की गतिविधियों को समय से सम्पादित किया जा रहा है। (ख) पी.पी.टी. माडल पर मन्यूक एग्री एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में 9 प्रशिक्षण 180 लोगो को कराये गये। |
| 2. | डा० वी०वी० द्विवेदी | उपनिदेशक, कृषि प्रसार, हापुड | केन्द्र पर दलहन, तिलहन एवं गेहूँ की नवीनतम प्रजातियों को काप कैफेटेरिया में सम्मिलित किया जाये। | काप कैफेटेरिया में गेहूँ – 12, सरसो – 06 मसूर – 04 चना – 03 आलू – 02 प्रजातियाँ लगायी गयी है। |
| 3. | डा० राघवेन्द्र यादव | प्राध्यापक (सस्य) नोडल अधिकारी बीज | जैविक खेती पर ओ. एफ.टी./प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण पर जोर दिया जायें। | केन्द्र पर 0.4 हे० क्षेत्रफल में जायद सीजन में जैविक खेती पर ओ.एफ.टी./प्रदर्शन को सम्मिलित किया गया है तथा नवयुवकों को रोजगार परक उद्यम हेतु प्रशिक्षण दिया जायेगा। |
| 4. | डा० के०जी०यादव | सहप्राध्यापक (सस्य) स०व०प० कृषि एवं प्रौ०, वि०वि०, मेरठ | (क) कृषि विज्ञान केन्द्र, हापुड की वेवसाइट बनाकर गतिविधियों को समय-समय पर अपडेट किया जाये। (ख) केन्द्र में सिंचाई एवं विद्युततीकरण के कार्य को प्राथमिकता दी जायें। | (क) केन्द्र की वेवसाइट www.hapur.kvk4.in बन गयी है तथा समय-समय पर अपडेट भी की जा रही है। (ख) केन्द्र पर विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो गया है। |

| | | | | |
|-----|-------------------------|---|--|---|
| 5. | डा0 राजेन्द्र प्रसाद | प्रधान वैज्ञानिक केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरमख मेरठ | जनपद हापुड आलू का मुख्य उत्पादक जनपद है। केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ से विकसित नवीनतम प्रजातियों को क्राॅप कैफेटेरिया में सम्मिलित किया जाये। | केन्द्र पर आलू के प्रजातीय प्रदर्शन लगे हैं। |
| 6. | निधि गुप्ता | जिला गन्ना अधिकारी | गन्ने की अक्टूबर बुवाई में सहफसली खेती को बढ़ावा दिया जायें। | जनपद में लगभग 3800 एकड में गन्ने की अक्टूबर बुवाई के साथ सरसों की सहफसली की बुवाई की गई है। |
| 7. | श्रीमती सुमन | माननीय सदस्या वैज्ञानिक सलाहकार समिति | महिलाओं को खाद्य एवं प्रसंसकरण की समय – समय प्रशिक्षण दिया जायें। | प्रभारी खाद्य एवं प्रसंसकरण, हापुड के तकनीकी सहयोग से प्रशिक्षण प्रस्तावित है। |
| 8. | डा0 कोमल सिंह | प्रबन्धक, राजकीय पशुधन प्रक्षेत्र, हापुड | गोवंश आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली (आई.एफ.एस.) का माडल बनाया जायें। | एकीकृत कृषि प्रणाली माडल केन्द्र पर प्रस्तावित है। |
| 9. | श्री महेश चन्द्र त्यागी | माननीय सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार समिति | पपीता एवं केले खेती की व्यवसायिक खेती हेतु नर्सरी की व्यवस्था हो। | राजकीय आलू केन्द्र पर हाईटेक नर्सरी की स्थापना हो चुकी है। |
| 10. | श्री रामकुमार | माननीय सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार समिति | कुपोषण से निपटने हेतु पोषण वाटिका पर जोर दिया जाय। | माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रयास से पोषण दिवस के अवसर पर कृषकों को उन्नतशील सब्जी प्रजातियों के बीज वितरित किया गया है तथा केन्द्र पर सब्जी बीज उत्पादन का कार्यक्रम चल रहा है। |

कार्यसूची- 3

(जनवरी 2020 से दिसम्बर 2020 तक की प्रगति)

लक्ष्य एवं उपलब्धियों का प्रगति विवरण

| प्रक्षेत्र परीक्षण | | | | प्रथम पंक्ति प्रदर्शन | | | |
|------------------------------|------------|------------------|------------------|-----------------------|------------|--------------------------|------------|
| 1 | | | | 2 | | | |
| प्रक्षेत्र परीक्षण की संख्या | | कृषकों की संख्या | | प्रथम पंक्ति प्रदर्शन | | प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०) | |
| लक्ष्य | उपलब्धियाँ | लक्ष्य | उपलब्धियाँ | लक्ष्य | उपलब्धियाँ | लक्ष्य | उपलब्धियाँ |
| 06 | 04 | 33 एवं 08 पशु | 22 एवं 03 पशु | 80 | 72.0 | 30 एवं 20 पशु | 25.8 |

एन०एफ०एस०एम० योजनान्तर्गत समूह दलहन/तिलहन प्रदर्शन प्रगति विवरण

| समूह दलहन प्रदर्शन | | | |
|-----------------------|------------|--------------------------|------------|
| 1 | | | |
| प्रथम पंक्ति प्रदर्शन | | प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०) | |
| लक्ष्य | उपलब्धियाँ | लक्ष्य | उपलब्धियाँ |
| 50 | 50 | 20.0 | 20.0 |

| | प्रशिक्षण (प्रायोजित प्रशिक्षण, आदि) | | | | प्रसार गतिविधियां | | | |
|--|--------------------------------------|------------|----------|------------|-------------------|------------|----------|------------|
| | 3 | | | | 4 | | | |
| | प्रशिक्षण संख्या | | लाभार्थी | | गतिविधियाँ | | लाभार्थी | |
| प्रशिक्षण का प्रकार | लक्ष्य | उपलब्धियाँ | लक्ष्य | उपलब्धियाँ | लक्ष्य | उपलब्धियाँ | लक्ष्य | उपलब्धियाँ |
| कृषक एवं कृषक महिलाओं को प्रशिक्षण (केन्द्र पर एवं बाह्य परिसर पर) | 56 | 26 | 1120 | 520 | 365 | 323 | 7978 | 3873 |
| रोजगार परक | 06 | 05 | 60 | 50 | | | | |
| प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु | 14 | 10 | 140 | 100 | | | | |
| प्रायोजित कार्यक्रम | | | | | | | | |
| कुल योग | 76 | 41 | 1320 | 670 | | 323 | | 3873 |

| बीज उत्पादन | | पौध | |
|--------------|--------------|--------|------------|
| 5 | | 6 | |
| लक्ष्य (कु0) | उपलब्धि(कु0) | लक्ष्य | उपलब्धियां |
| 400 | 100.50 | 20000 | — |

| मृदा परीक्षण | | |
|--------------|----------------|---------------------|
| 7 | | |
| मृदा नमूने | ग्रामों की सं० | विकास खण्डों की सं० |
| 122 | 18 | 03 |

3.1 प्रक्षेत्र परीक्षण (ऑन फार्म ट्रायल)

1. मृदा विज्ञान (गेहूँ फसल)

| | |
|---|--|
| 1. शीर्षक | फसल अवशेषों के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य में सुधार |
| 2. त्रतु एवं वर्ष | रबी 2020-21 |
| 3. समस्या | फसल अवशेषों को जलाने के कारण जीवांश के स्तर में गिरावट |
| 4. विषय क्षेत्र | समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन |
| 5. तकनीकी का नाम | फसल अवशेष प्रबन्धन |
| 6. तकनीकी का स्रोत | सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ० वि०वि०, मेरठ |
| 7. कृषक पद्धति – T ₁ | कृषक पद्धति (अवशेषों को जलाना) |
| 8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति – T ₂ | वेस्ट डिकम्पोजर का फसल अवशेषों पर छिड़काव एवं हेप्पी रोटावेटर का उपयोग |
| 9. प्रजाति का नाम | एच०डी० – 3059 |
| 10. प्रदर्शन सं० (ट्रायल) | 10 |
| 11. कुल क्षेत्रफल (हे०) | 0.40 प्रति प्रदर्शन (4.0 हे०) |
| 12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि | 20-28 दिसम्बर, 2020 |

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

2. पादप प्रजनन (गेहूँ फसल)

| | |
|---|---|
| 1. शीर्षक | गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजाति का मूल्यांकन |
| 2. त्रु एवं वर्ष | रबी 2019-20 |
| 3. समस्या | कृषकों द्वारा पुराना प्रजाति का प्रयोग के कारण कम उपज |
| 4. सम्बन्धित क्षेत्र | प्रजातीय मूल्यांकन |
| 5. तकनीकी का नाम | गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजातियाँ |
| 6. तकनीकी का स्रोत | भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुत प्रजाति |
| 7. कृषक पद्धति – T ₁ | पी0बी0डब्लू0 – 373 |
| 8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति – T ₂ | डी0बी0डब्लू0 – 90 |
| 9. प्रजाति का नाम | डी0बी0डब्लू0 – 90 |
| 10. ट्रायल की सं० | 08 |
| 11. कुल क्षेत्रफल (हे०) | 0.2 हे० प्रति ट्रायल (1.6 हे०) |
| 12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि | 06-07 दिसम्बर 2019 एवं 23-25 अप्रैल, 2020 |

प्रदर्शन परिणाम

| उपचार | पैदावार कु०/हे० | पैदावार में % बदलाव | मानक प्रभावी टिलर की सं० प्रति वर्ग मी० | मानक में बदलाव % | उत्पादन लागत (रु०/हे०) | सकल आय (रु०/हे०) | शुद्ध आय (रु० में) | लागत अनुपात लाभांश |
|---|-----------------|---------------------|---|------------------|------------------------|------------------|--------------------|--------------------|
| कृषक पद्धति T ₁ – | 38.28 | — | 6.5 | — | 51100 | 77464 | 26183 | 1:1.54 |
| वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति – T ₂ | 47.40 | 19.24 | 7.25 | 11.53 | 51800 | 85652 | 43963 | 1:1.90 |

तकनीकी का फीडबैक

T₁ (कृषक पद्धति – पी0बी0डब्लू0 – 373) की अपेक्षा T₂ (वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति – डी0बी0डब्लू – 90) अधिक उत्पादन देने वाली प्रजाति है ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

T₁ (कृषक पद्धति – पी0बी0डब्लू0 – 373) की अपेक्षा T₂ (वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति – डी0बी0डब्लू – 90) में प्रभावी टिलरो की संख्या एवं उपज अधिक पायी गयी है । डी0बी0डब्लू – 90 प्रजाति अधिक लाभकारी है ।

2. (क) पादप प्रजनन (धान फसल)

| | |
|---|--|
| 1. शीर्षक | धान – गेहूँ पद्धति में धान की उन्नत प्रजाति का मूल्यांकन |
| 2. त्रु एवं वर्ष | खरीफ 2020 |
| 3. समस्या | कृषकों द्वारा पुरानी प्रजाति का प्रयोग के कारण कम उपज |
| 4. सम्बन्धित क्षेत्र | प्रजातीय मूल्यांकन |
| 5. तकनीकी का नाम | धान – गेहूँ पद्धति में धान की उन्नत प्रजाति का प्रयोग । |
| 6. तकनीकी का स्रोत | सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि प्रौ०वि०वि०, मेरठ |
| 7. कृषक पद्धति – T ₁ | पी0बी0 – 1121 |
| 8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति – T ₂ | पी0बी0 1637 |
| 9. प्रजाति का नाम | पी0बी0 1637 |
| 10. ट्रायल की सं० | 05 |
| 11. कुल क्षेत्रफल (हे०) | 0.1 हे० प्रति ट्रायल (0.5 हे०) |
| 12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि | 15–20 जुलाई 2020 एवं 28–30 अक्टूबर, 2020 |

प्रदर्शन परिणाम

| उपचार | पैदावार कु०/हे० | पैदावार में % बदलाव | मानक प्रभावी टिलर की सं० प्रति वर्ग मी० | मानक में बदलाव % | उत्पादन लागत (रु०/हे०) | सकल आय (रु०/हे०) | शुद्ध आय (रु० में) | लागत अनुपात लाभांश |
|--|--------------------|------------------------|---|---------------------|---------------------------|---------------------|-----------------------|-----------------------|
| कृषक पद्धति T ₁ | 52.72 | — | 210 | — | 46550 | 154414 | 107864 | 1:3.31 |
| वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति — T ₂ | 61.84 | 17.30 | 271 | 29.05 | 48750 | 181225 | 132475 | 1:3.72 |

तकनीकी का फीडबैक

T₁ (कृषक पद्धति — पी०बी० — 1121) की अपेक्षा T₂ (वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति — पी०बी० — 1637) अधिक उत्पादन देने वाली प्रजाति है ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

T₁ (कृषक पद्धति — पी०बी० — 1121) की अपेक्षा T₂ (वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति — पी०बी० — 1637) में प्रभावी टिलरो की संख्या एवं उपज अधिक पायी गयी है । पी०बी० — 1637 प्रजाति अधिक लाभकारी है ।

2. (ख) पादप प्रजनन (गेहूँ फसल)

| | |
|---|---|
| 1. शीर्षक | गेहूँ की समय से बोई जाने वाली प्रजाति का मूल्यांकन |
| 2. त्रु एवं वर्ष | रबी 2020-21 |
| 3. समस्या | कृषकों द्वारा पुराना प्रजाति का प्रयोग के कारण कम उपज |
| 4. सम्बन्धित क्षेत्र | प्रजातीय मूल्यांकन |
| 5. तकनीकी का नाम | गेहूँ की समय से बोई जाने वाली प्रजातियाँ |
| 6. तकनीकी का स्रोत | भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुत प्रजाति |
| 7. कृषक पद्धति – T ₁ | एच0 डी0 – 2967 |
| 8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति – T ₂ | पी0बी0डब्लू – 725 |
| 9. प्रजाति का नाम | पी0बी0डब्लू – 725 |
| 10. ट्रायल की सं० | 04 |
| 11. कुल क्षेत्रफल (हे०) | 0.08 हे० प्रति ट्रायल (0.32 हे०) |
| 12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि | 20 नवम्बर, 2020 से 23 नवम्बर, 2020 |

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

3. पशु विज्ञान (गाय)

| | |
|---|---|
| 1. शीर्षक | खनिज मिश्रण एवं डिवर्मीग द्वारा पशुओं में बाइपन रोग नियंत्रण का मूल्यांकन |
| 2. त्रुटि एवं वर्ष | रबी 2020-21 |
| 3. समस्या | गाय में बाइपन की समस्या |
| 4. सम्बन्धित क्षेत्र | पशु पोषण प्रबन्धन |
| 5. तकनीकी का नाम | खनिज मिश्रण पाउडर/डिवर्मीग/फर्टीसूल द्वारा बाइपन रोग का नियंत्रण |
| 6. तकनीकी का स्रोत | आई.वी.आर.आई., बरेली |
| 7. कृषक पद्धति - T ₁ | परम्परागत पशु आहार |
| 8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति - T ₂ | खनिज मिश्रण पाउडर/डिवर्मीग/फर्टीसूल/पशु/दिन |
| 9. ट्रायल की सं० | 03 |
| 10. कृषक संख्या | 03 |
| 11. कृषि निवेश | खनिज मिश्रण पाउडर/डिवर्मीग/फर्टीसूल |
| 12. प्रक्षेप | गर्भाधान दर, दुग्ध उत्पादन, सी०बी० अनुपात |

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

3.2 प्रदर्शन प्रगति

(अ) एन0एफ0एस0एम0 योजनान्तर्गत कृषकों के प्रक्षेत्र पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों के अन्तर्गत प्रदर्शनों का विवरण

1. पादप प्रजनन (सरसों)

| | |
|---|--|
| 1. विषय | सरसों में एकीकृत फसल प्रबन्धन |
| 2. फसल एवं प्रजाति का नाम | सरसों (आर0एच0 – 0749) |
| 3. त्रतु एवं वर्ष | रबी 2020–21 |
| 4. समस्या | उन्नत प्रजातियों, विरलीकरण एवं कीट बीमारियों का समय से प्रबन्धन न करने के कारण उपज में कमी |
| 5. वर्गीकृत क्षेत्र | एकीकृत फसल प्रबन्धन |
| 6. कृषक पद्धति | उन्नत प्रजातियों का चयन, विरलीकरण एवं कीट बीमारियों का समय से प्रबन्धन नहीं करना |
| 7. तकनीकी का नाम | एकीकृत फसल प्रबन्धन के द्वारा सरसों की उपज बढ़ाना |
| 8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष) | आई0आई0पी0आर0, कानपुर |
| 9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति) | बीज (आर0एच0 – 0749) 2 किग्रा0 प्रति प्रदर्शन |
| 10. कुल क्षेत्रफल (हे0) | 20.0 |
| 11. प्रदर्शन सं0 | 50 |
| 12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि | 19 से 25 अक्टूबर 2020 |

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

(ब) अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (दलहन व तिलहन के अतिरिक्त)

1. फसलोत्पादन (गेहूँ)

| | |
|---|--|
| 1. विषय | गेहूँ फसल में खरपतवार नियंत्रण |
| 2. फसल एवं प्रजाति का नाम | गेहूँ (एच0डी0 – 2967) |
| 3. ऋतु एवं वर्ष | रबी 2019–20 |
| 4. समस्या | गेहूँ फसल में समय से खरपतवार नियंत्रण न होने के कारण पैदावार में कमी |
| 5. वर्गीकृत क्षेत्र | खरपतवार प्रबन्धन |
| 6. कृषक पद्धति | खरपतवारनाशी का प्रयोग न करना |
| 7. तकनीकी का नाम | कारफेन्टाजोन 50 डब्लू0पी0 के द्वारा खरपतवार नियंत्रण |
| 8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष) | सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ |
| 9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति) | कारफेन्टाजोन 50 डब्लू0पी0 50 ग्राम/हे0 का बुवाई के 30 दिन की अवस्था पर पर्णीय छिडकाव |
| 10. कुल क्षेत्रफल (हे0) | 0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (6.0 हे0) |
| 11. प्रदर्शन सं0 | 15 |
| 12. प्रयोग की तिथि एवं कटाई की तिथि | 17– 18 दिसम्बर 2019 एवं 25 अप्रैल, 2020 |

प्रदर्शन परिणाम

| परिणाम | उपज क०/हे० | उपज में परिवर्तन (%) | मानक गेहूँ में खरपतवारों की सं० मी० ² | मानक के साथ उपज में परिवर्तन (%) गेहूँ में खरपतवारों का प्रतिशत | उत्पादन लागत (रू०/हे०) | सकल आय (रू०/हे०) | शुद्ध लाभ (रू०/हे०) | लाभ व अनुपात |
|------------------|---------------|----------------------------|--|---|------------------------------|---------------------|------------------------|-----------------|
| कृषक पद्धति | 39.58 | — | 225 | — | 34667 | 77181 | 42514 | 1:2.23 |
| वैज्ञानिक पद्धति | 45.66 | 13.31 | 20 | 31 | 36436 | 89037 | 52601 | 1:2.44 |

| | |
|--|---|
| निष्पादन एवं संस्तुति | <ol style="list-style-type: none"> गेहूँ की खड़ी फसल पर 30–35 दिन की अवस्था पर कारफेन्टाजोन 50 डब्लू०पी० का पर्णीय छिड़काव करने से 31% तक खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण होता है । समय से खरपतवारों का नियंत्रण के कारण ब्यौत प्रतिशत में वृद्धि हुई, जिसके कारण उपज में 13.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई । दाने की गुणवत्ता में सुधार होता है । |
| तकनीकी विशेष के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया | <ol style="list-style-type: none"> कृषक सहमत है कि कारफेन्टाजोन 50 डब्लू०पी०, 2–4 डी० सोडियम साल्ट 80% की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली है । विशेष कर जंगली पालक एवं गाजर घास के नियंत्रण में । समय से खरपतवारनाशी का पर्णीय छिड़काव किया जाये तो खरपतवारों की रोकथाम होती है तथा उपज में वृद्धि होती है । |

1.(क) फसलोत्पादन (गेहूँ)

| | |
|---|---|
| 1. विषय | पछेती गेहूँ फसल में खरपतवार नियंत्रण |
| 2. फसल एवं प्रजाति का नाम | गेहूँ (डी0बी0डब्लू – 173) |
| 3. ऋतु एवं वर्ष | रबी 2020–21 |
| 4. समस्या | गेहूँ फसल में समय से खरपतवार नियंत्रण न होने के कारण पैदावार में कमी |
| 5. वर्गीकृत क्षेत्र | खरपतवार प्रबन्धन |
| 6. कृषक पद्धति | खरपतवारनाशी का प्रयोग न करना |
| 7. तकनीकी का नाम | कारफेन्टाजोन 50 डब्लू0पी0 के द्वारा खरपतवार नियंत्रण |
| 8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष) | सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0वि0, मेरठ |
| 9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति) | कारफेन्टाजोन 50 डब्लू0पी0 50 ग्राम/हे0 का बुवाई के 30 दिन की अवस्था पर पर्णय छिडकाव |
| 10. कुल क्षेत्रफल (हे0) | 0.40 हे0 प्रति प्रदर्शन (6.0 हे0) |
| 11. प्रदर्शन सं0 | 15 |
| 12. प्रयोग की तिथि एवं कटाई की तिथि | 18– 25 दिसम्बर 2020 |

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

2. मृदा विज्ञान (गेहूँ फसल)

| | |
|-------------------------------------|--|
| 1. शीर्षक | गेहूँ में जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग |
| 2. फसल व प्रजाति | गेहूँ (एच0डी0 – 3086) |
| 3. ऋतु एवं वर्ष | रबी 2019–20 |
| 4. समस्या | गेहूँ में कम उत्पादन |
| 5. सम्बन्धित क्षेत्र | समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन |
| 6. कृषक पद्धति | जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग न करना । |
| 7. तकनीकी का नाम | जल विलेय उर्वरक का प्रयोग 18:18:18 एन.पी.के. @ 12.5 किग्रा0/हे0 |
| 8. तकनीकी का स्रोत | सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ |
| 9. वैज्ञानिक पद्धति | जल विलेय उर्वरक का प्रयोग 18:18:18 एन.पी.के. @ 12.5 किग्रा0/हे0 (तीन पर्णीय छिडकाव) |
| 10. कुल क्षेत्रफल (हे0) | 0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (6.0 हे0) |
| 11. प्रदर्शनो की सं0 | 15 |
| 12. प्रयोग की तिथि एवं कटाई की तिथि | 26 नवम्बर, 2019–08 दिसम्बर 2019 एवं 14–16 अप्रैल, 2020 |

प्रदर्शन परिणाम

| परिणाम | उपज कु०/हे० | पैदावार में % बदलाव | मानक | | मानक में बदलाव % | | उत्पादन लागत (रु०/हे०) | सकल आय (रु०/हे०) | शुद्ध आय (रु० में) | लागत अनुपात लाभांश |
|------------------|----------------|------------------------|--|---------------------------|--|------------------------------------|---------------------------|---------------------|-----------------------|-----------------------|
| | | | 1000 दानों का वजन (ग्रा० में) | प्रति बाली दानो की सं० | 1000 दानों का वजन (ग्रा० में) | प्रति बाली दानो की सं० | | | | |
| | | | | | | | | | | |
| वैज्ञानिक पद्धति | 55.79 | 22.89 | 48.75 | 48.18 | 36.17 | 20.08 | 44395 | 144530 | 104510 | 1:3.26 |

प्रदर्शन व संस्तुति

गेहूँ में जल विलेय उर्वरक 18:18:18 एन.पी.के. के तीन पर्णाय छिडकाव किये गये । पहला छिडकाव 1 किग्रा० 18:18:18 100 लीटर पानी तथा दूसरा छिडकाव फूल आने से पूर्व 2 किग्रा० 18:18:18 200 लीटर पानी तथा तीसरा छिडकाव फूल आने के बाद 2 किग्रा० 200 लीटर पानी घोल बनाकर छिडकाव करना प्रभावी रहा । 22.89% की वृद्धि हुई ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

जल विलेय उर्वरक 18:18:18 के पर्णाय छिडकाव करने से 22.89% की वृद्धि हुई ।

2. (क) मृदा विज्ञान (धान फसल)

| | |
|------------------------------------|---|
| 1. शीर्षक | धान फसल में जल विलेय उर्वरको का प्रयोग |
| 2. फसल व प्रजाति | धान (पूसा 1509) |
| 3. त्रतु एवं वर्ष | खरीफ 2020 |
| 4. समस्या | उर्वरकों का असन्तुलित मात्रा में प्रयोग करने से धान की फसल में कम उत्पादन |
| 5. सम्बन्धित क्षेत्र | समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन |
| 6. कृषक पद्धति | कृषक स्तर पर जल विलेय उर्वरको का प्रयोग न करना । |
| 7. तकनीकी का नाम | जल विलेय उर्वरक 18:18:18 के तीन पर्णीय छिडकाव । |
| 8. तकनीकी का स्रोत | सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0वि0, मेरठ |
| 9. वैज्ञानिक पद्धति | जल विलेय उर्वरक 18:18:18 के तीन पर्णीय छिडकाव 12.5 किग्रा0/हे0 की दर से किये गये। |
| 10. कुल क्षेत्रफल (हे0) | 0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (6.0 हे0) |
| 11. प्रदर्शनो की सं0 | 15 |
| 12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि | 05-10 जुलाई 2020 एवं 25-30 अक्टूबर 2020 |

प्रदर्शन परिणाम

| परिणाम | उपज कु0/हे0 | पैदावार में % बदलाव | मानक प्रति बाली दानो की सं0 | मानक में बदलाव % | उत्पादन लागत (रू0/हे0) | सकल आय (रू0/हे0) | शुद्ध आय (रू0 में) | लागत अनुपात लाभांश |
|---------------------|----------------|------------------------|-----------------------------------|---------------------|---------------------------|---------------------|-----------------------|-----------------------|
| कृषक पद्धति | 48.36 | — | 58.40 | — | 44500 | 132227 | 87729 | 1:2.97 |
| वैज्ञानिक पद्धति | 59.73 | 23.51 | 73.55 | 25.94 | 47250 | 162293 | 115143 | 1:3.44 |

प्रदर्शन व संस्तुति

धान में जल विलेय उर्वरक 18:18:18 के तीन छिडकाव पहला छिडकाव 1 किग्रा0 उर्वरक 100 ली0 पानी तथा दूसरा छिडकाव फूल आने से पूर्व 2 किग्रा0 200 ली0 पानी तथा तीसरा छिडकाव फूल आने के बाद 2 किग्रा0 उर्वरक 200 ली0 पानी में घोल बनाकर छिडकाव करना प्रभावी रहा । जिससे कृषक पद्धति के सापेक्ष वैज्ञानिक पद्धति से 23.51% की वृद्धि हुई ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

जल विलेय उर्वरक 18:18:18 एन.पी.के. के पर्णीय छिडकाव करने से उत्पादन में 23.51% की वृद्धि हुई ।

2. (स्व) मृदा विज्ञान (गेहूँ फसल)

| | |
|-------------------------------------|---|
| 1. शीर्षक | गेहूँ में जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग |
| 2. फसल व प्रजाति | गेहूँ (डी0बीडब्लू – 173) |
| 3. ऋतु एवं वर्ष | रबी 2020–21 |
| 4. समस्या | गेहूँ में कम उत्पादन |
| 5. सम्बन्धित क्षेत्र | समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन |
| 6. कृषक पद्धति | जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग न करना । |
| 7. तकनीकी का नाम | जल विलेय उर्वरक का प्रयोग 18:18:18 एन.पी.के. @ 12.5 किग्रा0/हे0 |
| 8. तकनीकी का स्रोत | सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ |
| 9. वैज्ञानिक पद्धति | जल विलेय उर्वरक का प्रयोग 18:18:18 एन.पी.के. @ 12.5 किग्रा0/हे0 (तीन पर्णिय छिडकाव) |
| 10. कुल क्षेत्रफल (हे0) | 0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (6.0 हे0) |
| 11. प्रदर्शनो की सं0 | 15 |
| 12. प्रयोग की तिथि एवं कटाई की तिथि | 26–28 दिसम्बर, 2020 |

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

3. पादप प्रजनन (गेहूँ)

| | |
|---|---|
| 1. विषय | गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजाति का प्रदर्शन |
| 2. फसल एवं प्रजाति का नाम | गेहूँ (एच.डी. 3059) |
| 3. ऋतु एवं वर्ष | रबी 2019-20 |
| 4. समस्या | देर से गेहूँ की पुरानी प्रजाति बोने से कम उत्पादन |
| 5. वर्गीकृत क्षेत्र | प्रजातीय प्रदर्शन |
| 6. कृषक पद्धति | पुरानी प्रजाति का प्रयोग (पी.बी.डब्लू - 373) |
| 7. तकनीकी का नाम | गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजाति कम प्रदर्शन |
| 8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष) | भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा रोड, नई दिल्ली द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुत |
| 9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति) | प्रजातीय प्रदर्शन, प्रजाति का नाम - एच.डी. 3059 |
| 10. कुल क्षेत्रफल (हे०) | 1.20 |
| 11. प्रदर्शन सं० | 12 |
| 12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि | 20-25 दिसम्बर 2019 एवं 18-21 अप्रैल, 2020 |

प्रदर्शन परिणाम

| परिणाम | उपज कु०/हे० | पैदावार में % बदलाव | प्रभावी टिलर की सं० प्रति वर्ग मी० | मानक में बदलाव % | उत्पादन लागत (रु०/हे०) | सकल आय (रु०/हे०) | शुद्ध आय (रु० में) | लागत अनुपात लाभांश |
|------------------|----------------|------------------------|---------------------------------------|---------------------|---------------------------|---------------------|-----------------------|-----------------------|
| कृषक पद्धति | 43.86 | — | 4.8 | — | 52400 | 85527 | 33127 | 1:1.63 |
| वैज्ञानिक पद्धति | 51.12 | 14.20 | 5.5 | 14.58 | 57400 | 99684 | 42284 | 1:1.74 |

प्रदर्शन व संस्तुति

उन्नत प्रजाति एवं गुणवत्तायुक्त प्रजाति का प्रयोग आवश्यक है । नयी प्रजाति होने के कारण उपज में वृद्धि ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

उन्नत प्रजाति एच.डी. 3059 का उत्पादन पी.बी.डब्लू - 373 प्रजाति के उत्पादन की अपेक्षा अधिक है ।

3. (क) पादप प्रजनन (गेहूँ)

| | |
|---|---|
| 1. विषय | गेहूँ की समय से बोई जाने वाली नई प्रजाति का प्रदर्शन |
| 2. फसल एवं प्रजाति का नाम | गेहूँ (एच0डी0 – 3086) |
| 3. ऋतु एवं वर्ष | रबी 2020–21 |
| 4. समस्या | समय से गेहूँ की पुरानी प्रजाति बोने से कम उत्पादन |
| 5. वर्गीकृत क्षेत्र | प्रजातीय प्रदर्शन |
| 6. कृषक पद्धति | पुरानी प्रजाति का प्रयोग |
| 7. तकनीकी का नाम | गेहूँ की समय से बोई जाने वाली प्रजाति का प्रदर्शन |
| 8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष) | भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा रोड, नई दिल्ली द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुत |
| 9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति) | प्रजातीय प्रदर्शन, प्रजाति का नाम – एच0डी0 3086 |
| 10. कुल क्षेत्रफल (हे0) | 2.8 |
| 11. प्रदर्शन सं0 | 07 |
| 12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि | 17 नवम्बर, 2020 से 26 नवम्बर,2020 |

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

4. पादप सुरक्षा (धान फसल)

| | |
|---|---|
| 1. विषय | धान में भूरा फुदका कीट का नियंत्रण का प्रदर्शन |
| 2. फसल एवं प्रजाति का नाम | धान (पी.बी. 1509) |
| 3. त्रुटि एवं वर्ष | खरीफ 2020 |
| 4. समस्या | धान में भूरा फुदका कीट के प्रकोप के कारण उपज कम होना |
| 5. वर्गीकृत क्षेत्र | आई0पी0एम0 |
| 6. कृषक पद्धति | मोनोक्रोटोफॉस 36 एस0एल0 की 1.50 ली0 मात्रा का प्रति हे0 की दर से एक बार छिडकाव करना । |
| 7. तकनीकी का नाम | धान में भूरा फुदका कीट के नियंत्रण हेतु बुप्रोफेजिन 25 एस0सी0 की 0.8 ली0 मात्रा का / हे0 की दर से दो बार छिडकाव करना । |
| 8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष) | सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0वि0, मेरठ |
| 9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति) | बुप्रोफेजिन 25 एस0सी0 की 0.8 ली0 मात्रा का प्रति हे0 की दर से प्रथम छिडकाव कीट प्रकोप प्रारम्भ होने पर तथा दूसरा छिडकाव प्रथम छिडकाव के 10-12 दिन बाद |
| 10. कुल क्षेत्रफल (हे0) | 0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (4.0 हे0) |
| 11. प्रदर्शन सं0 | 10 |
| 12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि | 06-12 जुलाई 2020 एवं 20-25 अक्टूबर, 2020 |

प्रदर्शन परिणाम

| उपचार | पैदावार कु०/हे० | पैदावार में % बदलाव | मानक अगेती प्ररोह बेधक कीट का प्रकोप % | मानक में बदलाव % | उत्पादन लागत (रु०/हे०) | सकल आय (रु०/हे०) | शुद्ध आय (रु० में) | लागत अनुपात लाभांश |
|--|-----------------|---------------------|--|------------------|------------------------|------------------|--------------------|--------------------|
| कृषक पद्धति – T ₁ मोनोकोटोफॉस 36 एस०एल० की 1.50 ली० का प्रयोग | 48.65 | — | 12 | — | 44500 | 133012 | 88512 | 1:2.99 |
| वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति – T ₂ बुप्रोफेजिन 25 एस०सी० की 0.8 ली० का प्रयोग | 57.84 | 18.90 | 8 | 33.33 | 47250 | 157502 | 110252 | 1:3.34 |

तकनीकी का फीडबैक

T₂ धान में भूरा फुदका कीट के नियंत्रण हेतु बुप्रोफेजिन 25 एस०सी० की 0.8 ली० मात्रा का /हे० की दर से प्रथम छिडकाव कीट प्रकोप प्रारम्भ होने पर तथा दूसरा छिडकाव प्रथम छिडकाव के 10–12 दिन बाद करना प्रभावी है तथा यह उपचार कीट प्रकोप के सम्बन्ध में सम्बन्ध में T₁ की अपेक्षा अधिक प्रभावी रहा ।

तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

T₂ धान में भूरा फुदका कीट के नियंत्रण हेतु बुप्रोफेजिन 25 एस०सी० की 0.8 ली० मात्रा का /हे० की दर से प्रथम छिडकाव कीट प्रकोप प्रारम्भ होने पर तथा दूसरा छिडकाव प्रथम छिडकाव के 10–12 दिन बाद करना प्रभावी रहा तथा भूरा फुदका कीट का प्रकोप भी T₁ की अपेक्षा कम रहा ।

5. पशु विज्ञान (बरसीम)

| | |
|---|---|
| 1. विषय | अधिकतम चारा उत्पादन हेतु बरसीम की नई प्रजाति का प्रदर्शन |
| 2. फसल एवं प्रजाति का नाम | बरसीम (बी0एल0 – 42) |
| 3. ऋतु एवं वर्ष | रबी 2020–21 |
| 4. समस्या | पशुओं के लिये हरे चारे की कम उत्पादकता |
| 5. वर्गीकृत क्षेत्र | प्रजातीय प्रदर्शन |
| 6. कृषक पद्धति | पुरानी प्रजाति का प्रयोग |
| 7. तकनीकी का नाम | अधिकतम चारा उत्पादन हेतु बरसीम की नई प्रजाति बी0एल0 – 42 का प्रदर्शन |
| 8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष) | राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल, द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुत |
| 9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति) | प्रजातीय प्रदर्शन, प्रजाति का नाम – बी0एल0 – 42 |
| 10. कुल क्षेत्रफल (हे0) | 1.0 |
| 11. प्रदर्शन सं० | 10 |
| 12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि | 18 नवम्बर, 2020 से 20 नवम्बर, 2020 |

प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

(5) किसानों की आय दुगनी करने हेतु वर्ष 2019-20 में ग्राम - दतियाना में लगाये गये प्रदर्शन की प्रगति

| | |
|----------------|---|
| तकनीकी का नाम | आर्थिक लाभ हेतु शरदकालीन गन्ना के साथ सरसों सहफसली खेती |
| कृषक पद्धति | एकल फसल (गन्ना) |
| सहफसली | गन्ना + सरसों |
| प्रजाति का नाम | गन्ना (CO - 0238, सरसों - RH - 0749) |
| क्षेत्रफल | 2.0 हे० |

| प्रदर्शन से पहले | एकल फसल गन्ना उत्पादन (कु०/हे०) | सहफसली फसल उत्पादन (कृ०/हे०) | बराबर उपज उत्पादन (कृ०/हे०) | उत्पादन लागत (रू०/हे०) गन्ना + सरसों | सकल आय (रू०/हे०) | शुद्ध आय (रू० में) | लागत अनुपात लाभांश |
|------------------------------|---------------------------------|------------------------------|-----------------------------|--------------------------------------|------------------|--------------------|--------------------|
| सहफसली पद्धति (रबी सीजन में) | | | | | | | |
| गन्ना + सरसों | 650.75 | 12.50 | 156.25 | 114750.00 | 2,25960.00 | 111210.00 | 1:1.96 |

| प्रदर्शन के बाद | एकल फसल गन्ना उत्पादन (कु०/हे०) | सहफसली फसल उत्पादन (कृ०/हे०) | बराबर उपज उत्पादन (कृ०/हे०) | उत्पादन लागत (रू०/हे०) गन्ना + सरसों | सकल आय (रू०/हे०) | शुद्ध आय (रू० में) | लागत अनुपात लाभांश |
|------------------------------|---------------------------------|------------------------------|-----------------------------|--------------------------------------|------------------|--------------------|--------------------|
| सहफसली पद्धति (रबी सीजन में) | | | | | | | |
| गन्ना + सरसों | 685.00 | 15.75 | 196.88 | 1,15650.00 | 2,47065.00 | 1,31415.00 | 1:2.14 |

बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि

गन्ने की बुवाई - 01-05 अक्टूबर, 2019

सरसों की बुवाई - 31 अक्टूबर, 2019 से 08 नवम्बर, 2019

कटाई - 18-20 मार्च, 2020

(5क.) किसानों की आय दुगनी करने हेतु वर्ष 2020-21 में ग्राम - दतियाना में लगाये गये प्रदर्शन (प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत)

तकनीकी का नाम आर्थिक लाभ हेतु शरदकालीन गन्ना के साथ आलू सहफसली खेती

कृषक पद्धति एकल फसल (गन्ना)

सहफसली गन्ना + आलू

प्रजाति का नाम गन्ना (CO - 0238, आलू - चिप्सोना - 01)

क्षेत्रफल 2.0 हे०

| प्रदर्शन से पहले | एकल फसल गन्ना उत्पादन (क०/हे०) | सहफसली फसल उत्पादन (क०/हे०) | बराबर उपज उत्पादन (क०/हे०) | उत्पादन लागत (र०/हे०) गन्ना + आलू | सकल आय (र०/हे०) | शुद्ध आय (र० में) | लागत अनुपात लाभांश |
|------------------------------|---|-----------------------------------|----------------------------------|---|--------------------|----------------------|--------------------------|
| सहफसली पद्धति (रबी सीजन में) | | | | | | | |
| गन्ना + आलू | | | | | | | |
| प्रदर्शन के बाद | एकल फसल गन्ना उत्पादन (क०/हे०) | सहफसली फसल उत्पादन (क०/हे०) | बराबर उपज उत्पादन (क०/हे०) | उत्पादन लागत (र०/हे०) गन्ना + आलू | सकल आय (र०/हे०) | शुद्ध आय (र० में) | लागत अनुपात लाभांश |
| सहफसली पद्धति (रबी सीजन में) | | | | | | | |
| गन्ना + आलू | | | | | | | |

बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि

गन्ने की बुवाई - 10-12 अक्टूबर, 2020

आलू की बुवाई - 10-12 अक्टूबर, 2020

3.3 प्रशिक्षण प्रगति

| क्र. स. | विभाग का नाम | प्रशिक्षण संख्या | प्रशिक्षणार्थी | | | | | | कुल योग |
|---|--------------|------------------|----------------|----------|------------|------------|----------|-----------|------------|
| | | | अन्य | | | अनु/जनजाति | | | |
| | | | पुरुष | स्त्री | योग | पुरुष | स्त्री | योग | |
| कृषक एवं कृषक महिलाओं को प्रशिक्षण (केन्द्र पर एवं वाह्य परिसर पर) | | | | | | | | | |
| 1 | फसलोत्पादन | 07 | 127 | — | 127 | 13 | — | 13 | 140 |
| 2 | मृदा विज्ञान | 09 | 164 | — | 164 | 16 | — | 16 | 180 |
| 3 | पादप सुरक्षा | 03 | 57 | — | 57 | 03 | — | 03 | 60 |
| 4 | पादप प्रजनन | 03 | 55 | — | 55 | 05 | — | 05 | 60 |
| 5 | पशु विज्ञान | 04 | 75 | — | 75 | 05 | — | 05 | 80 |
| | योग | 26 | 478 | — | 478 | 42 | — | 42 | 520 |
| ग्रामीण युवक एवं युवतियों हेतु रोजगार परक प्रशिक्षण | | | | | | | | | |
| 1 | फसलोत्पादन | 02 | 20 | — | 20 | — | — | — | 20 |
| 2 | मृदा विज्ञान | 02 | 20 | — | 20 | — | — | — | 20 |
| 3 | पादप सुरक्षा | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 4 | पादप प्रजनन | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 5 | पशु विज्ञान | 01 | 10 | — | 10 | — | — | — | 10 |
| | योग | 05 | 50 | — | 50 | — | — | — | 50 |
| प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु | | | | | | | | | |
| 1 | फसलोत्पादन | 01 | 08 | — | 08 | 02 | — | 02 | 10 |
| 2 | मृदा विज्ञान | 04 | 38 | — | 38 | 02 | — | 02 | 40 |
| 3 | पादप सुरक्षा | 01 | 08 | — | 08 | 02 | — | 02 | 10 |
| 4 | पादप प्रजनन | 01 | 10 | — | 10 | — | — | — | 10 |
| 5 | पशु विज्ञान | 03 | 28 | — | 28 | 02 | — | 02 | 30 |
| | योग | 10 | 92 | — | 92 | 08 | — | 08 | 100 |

वर्ष 2020-21 में जनवरी 2020 से दिसम्बर, 2020 तक कृषक, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवकों/युवतियों तथा प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु कराये गये प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नवत है :-

3.4 प्रशिक्षणों का संक्षिप्त विवरण

(अ) कृषक युवक एवं युवतियों हेतु (केन्द्र पर)

| विषय | प्रशिक्षण का विषय | माह | अवधि (दिन) | प्रतिभागियों की संख्या | |
|------|-------------------|-----|------------|------------------------|---------|
| | | | | पुरुष | महिलाएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |

प्रथम तिमाही (जनवरी 2020 से मार्च 2020 तक)

| | | | | | |
|--------------|--|---------------|---|----|---|
| मृदा विज्ञान | 1. गन्ना फसल पोषक एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व | 18 फरवरी 2020 | 1 | 20 | — |
|--------------|--|---------------|---|----|---|

तृतीय तिमाही (जुलाई 2020 से सितम्बर 2020 तक)

| | | | | | |
|--------------|--|------------------|---|----|---|
| फसल उत्पादन | 1. धान फसल में खरपतवार नियंत्रण । | 24 जुलाई 2020 | 1 | 20 | — |
| | 1. शरदकालीन गन्ना फसल हेतु उपयुक्त प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीक | 21 सितम्बर 2020 | 1 | 20 | — |
| मृदा विज्ञान | 1. धान में जल विलेय उर्वरकों का महत्व । | 18 सितम्बर 2020 | 1 | 20 | — |
| | 2. तिलहनी फसलों में सल्फर का महत्व । | 25 सितम्बर, 2020 | 1 | 20 | — |

चतुर्थ तिमाही (अक्टूबर 2020 से दिसम्बर 2020 तक)

| | | | | | |
|--------------|---|-----------------|---|----|---|
| फसल उत्पादन | मृदा में जीवांश बढ़ाने में फसल अवशेष का उपयोग एवं महत्व | 10 अक्टूबर 2020 | 1 | 20 | — |
| मृदा विज्ञान | फसल अवशेष प्रबन्धन का महत्व | 21 अक्टूबर 2020 | 1 | 20 | — |
| पशु विज्ञान | 1. गाय एवं भैसों में संतुलित पशु आहार | 06 अक्टूबर 2020 | 1 | 20 | — |
| पादप प्रजनन | 1. देर से बोई जाने वाली गेहूँ की उन्नत प्रजाति की उत्पादन तकनीक । | 17 नवम्बर, 2020 | 1 | 20 | — |
| पादप सुरक्षा | 1. रबी दलहनो में एकीकृत कीट एवं बीमारी प्रबन्धन । | 20 नवम्बर, 2020 | 1 | 20 | — |

(ब) कृषक युवक एवं युवतियों हेतु (केन्द्र से बाहर)

| विषय | प्रशिक्षण का विषय | माह | अवधि (दिन) | स्थान | प्रतिभागियों की संख्या | |
|------|-------------------|-----|---------------|-------|------------------------|---------|
| | | | | | पुरुष | महिलाएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |

प्रथम तिमाही (जनवरी 2020 से मार्च 2020 तक)

| | | | | | | |
|--------------|---|---------------------|---|-----------|----|---|
| फसल उत्पादन | 1. गन्ना पेडी प्रबन्धन | 28 जनवरी 2020 | 1 | झड़िना | 20 | — |
| | बसन्तकालीन गन्ना के साथ सह-फसलो की उत्पादन तकनीक | 03 फरवरी 2020 | 1 | कनिया | 20 | — |
| मृदा विज्ञान | 1. पछेति गोहूँ में जल विलेय उर्वरकों का पर्णीय छिडकाव । | 11 जनवरी 2020 | 1 | शाहपुर जट | 20 | — |
| फसल सुरक्षा | जायद फसलों का बीज शोधन की तकनीकी एवं महत्व | 12 फरवरी 2020 | 1 | सिखेरा | 20 | — |

तृतीय तिमाही (जुलाई 2020 से सितम्बर 2020 तक)

| | | | | | | |
|--------------|--|-----------------------|---|------------|----|---|
| मृदा विज्ञान | 1. वर्मी एवं नैडेप कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक | 27 जुलाई 2020 | 1 | बाबूगढ | 20 | — |
| | 2. जल संरक्षण में मल्लिंग का महत्व । | 04 अगस्त 2020 | 1 | खडखडी | 20 | — |
| पादप प्रजनन | गन्ना की उन्नत प्रजाति एवं उनकी उत्पादन तकनीक | 14 सितम्बर 2020 | 1 | कनिया | 20 | — |
| पशु विज्ञान | 1. दुधारु पशुओं हेतु संतुलित पशु आहार प्रबन्धन | 29 सितम्बर 2020 | 1 | बझेडा कामा | 20 | — |

| चतुर्थ तिमाही (अक्टूबर 2020 से दिसम्बर 2020 तक) | | | | | | |
|---|--|------------------|---|----------|----|---|
| फसल उत्पादन | 1. समय से बोये जाने वाले गेहूँ की उत्पादन तकनीकी । | 26 अक्टूबर 2020 | 1 | अटूटा | 20 | — |
| | 2. गेहूँ में खरपतवार नियंत्रण | 04 दिसम्बर, 2020 | 1 | अनवरपुर | 20 | — |
| मृदा विज्ञान | 1. रबी फसलों में जलविलेय उर्वरकों का महत्व । | 29 अक्टूबर 2020 | 1 | कनिया | 20 | — |
| | 2. जल संरक्षण तकनीक एवं मृदा परीक्षण का महत्व । | 18 नवम्बर, 2020 | 1 | असोडा | 20 | — |
| पशु विज्ञान | 1. नवजात बछड़ों का रखरखाव । | 9 नवम्बर, 2020 | 1 | कनिया | 20 | — |
| | 2. शरद ऋतु में दुधारु पशुओं का रखरखाव । | 11 दिसम्बर, 2020 | 1 | अटूटा | 20 | — |
| पादप सुरक्षा | 1. आलू फसल में अगेती व पिछेती झुलसा बीमारी का प्रबन्धन । | 18 दिसम्बर, 2020 | 1 | सिकैडा | 20 | — |
| पादप प्रजनन | 1. गेहूँ की उन्नत प्रजातियों की उत्पादन तकनीक । | 08 दिसम्बर, 2020 | 1 | श्यामपुर | 20 | — |

(स) ग्रामीण युवक एवं युवतियों को रोजगार परक प्रशिक्षण (केन्द्र पर एवं केन्द्र के बाहर)

| विषय | प्रशिक्षण का विषय | माह | अवधि (दिन) | स्थान | प्रतिभागियों की संख्या | |
|---|--------------------------------------|--------------------|------------|--------|------------------------|---------|
| | | | | | पुरुष | महिलाएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| प्रथम तिमाही (जनवरी 2020 से मार्च 2020 तक) | | | | | | |
| मृदा विज्ञान | नैडप और वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक | 08 – 12 फरवरी 2020 | 5 | सदरपुर | 10 | — |

| तृतीय तिमाही (जुलाई 2020 से सितम्बर 2020 तक) | | | | | | |
|---|---|--------------------|---|-----------------------|----|---|
| मृदा विज्ञान | नैडप और वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक | 13–17 जुलाई 2020 | 5 | कनिया | 10 | — |
| फसल उत्पादन | 1. ब्लूग्रीन एल्गी एवं एजोला उत्पादन तकनीकी 2. मशरूम उत्पादन हेतु कम्पोस्ट बनाने की तकनीकी | 24–28 अगस्त 2020 | 5 | केन्द्र पर केन्द्र पर | 10 | — |
| | | 22–26 सितम्बर 2020 | 5 | | 10 | — |

| | | | | | | |
|-------------|--|-----------------------|---|-------|----|---|
| | चतुर्थ तिमाही (अक्टूबर 2020 से दिसम्बर 2020 तक) | | | | | |
| पशु विज्ञान | मुर्गीपालन उत्पादन तकनीक । | 01-05 दिसम्बर 2020 | 5 | कनिया | 10 | — |

(द) सेवाकालीन प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण (केन्द्र पर /केन्द्र से बाहर)

| विषय | प्रशिक्षण का विषय | माह | अवधि (दिन) | स्थान | प्रतिभागियों की संख्या | |
|---|--|------------------|------------|------------|------------------------|---------|
| | | | | | पुरुष | महिलाएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| प्रथम तिमाही (जनवरी 2020 से मार्च 2020 तक) | | | | | | |
| फसल उत्पादन | बसन्तकालीन गन्ना में सह फसलो की | 20 फरवरी 2020 | 1 | प्रसार भवन | 10 | — |
| मृदा विज्ञान | 1. सब्जियों में समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन । 2. मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरको का प्रयोग | 21 जनवरी 2020 | 1 | प्रसार भवन | 10 | — |
| | | 08 फरवरी 2020 | 1 | प्रसार भवन | 10 | — |
| फसल सुरक्षा | जायद फसलो में एकीकृत कीट प्रबन्धन | 24 जनवरी 2020 | 1 | प्रसार भवन | 10 | — |

| विषय | प्रशिक्षण का विषय | माह | अवधि (दिन) | स्थान | प्रतिभागियों की संख्या | |
|---|--|--------------------|------------|------------------|------------------------|---------|
| | | | | | पुरुष | महिलाएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| तृतीय तिमाही (जुलाई 2020 से सितम्बर 2020 तक) | | | | | | |
| मृदा विज्ञान | 1. तिलहनी फसलो में सल्फर का प्रयोग । | 19 अगस्त 2020 | 1 | प्रसार भवन | 10 | — |
| पशु विज्ञान | 1. पशुओं में टीकाकरण का महत्व 2. पशुओं में खनिज मिक्षण एवं विटामिन का महत्व | 25 सितम्बर 2020 | 1 | विकास खण्ड हापुड | 10 | — |
| | | 30 सितम्बर 2020 | 1 | विकास खण्ड हापुड | 10 | — |

| विषय | प्रशिक्षण का विषय | माह | अवधि (दिन) | स्थान | प्रतिभागियों की संख्या | |
|--|--|--------------------|---------------|------------------------|------------------------|---------|
| | | | | | पुरुष | महिलाएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| चतुर्थ तिमाही (अक्टूबर 2020 से सितम्बर 2020 तक) | | | | | | |
| मृदा विज्ञान | 1. गेहूँ फसल में जल विलेय उर्वरकों का प्रयोग । | 05 दिसम्बर 2020 | 1 | विकास खण्ड हापुड | 10 | — |
| पादप प्रजनन | 1. विलम्ब से बोई जाने वाली गेहूँ प्रजातियों की उत्पादन तकनीक । | 21 नवम्बर, 2020 | 1 | विकास खण्ड हापुड | 10 | — |
| पशु विज्ञान | 1. पशुओं में खनिज मिश्रण का महत्व एवं बनाने की विधि । | 3 अक्टूबर 2020 | 1 | विकास खण्ड हापुड | 10 | — |

3.5 प्रसार कार्यक्रम तथा अन्य विभागों के साथ कार्यक्रम

प्रसार कार्यक्रम

| क्र.स. | गतिविधियां | कार्यक्रमों की संख्या | लाभार्थी कृषक | प्रसार कार्यकर्ता | योग |
|--------|--|-----------------------|---------------|-------------------|-------------|
| 1 | प्रक्षेत्र दिवस | 01 | 22 | — | 22 |
| 2 | कृषक गोष्ठी | 12 | 1120 | 25 | 1145 |
| 3 | किसान मेला | 01 | 205 | 06 | 211 |
| 4 | डायग्नोस्टिक विजिट | 05 | 58 | — | 58 |
| 5 | कृषकों का परिसर पर भ्रमण (सलाहकार सेवाये) | 166 | 585 | — | 585 |
| 6 | वैज्ञानिकों का कृषकों के यहा भ्रमण | 72 | 216 | — | 216 |
| 7 | समाचार पत्रों में केन्द्र की प्रेस विज्ञप्ति | 19 | जनसमूह | जनसमूह | जनसमूह |
| 8 | कृषि प्रदर्शनी | 01 | 205 | 06 | 211 |
| 9 | लेख (कृषि साहित्य) | 02 | जनसमूह | जनसमूह | जनसमूह |
| 10 | रेडियो वार्ता | 01 | जनसमूह | जनसमूह | जनसमूह |
| 11 | टी0वी0 कार्यक्रम | 03 | जनसमूह | जनसमूह | जनसमूह |
| 12 | फिल्म शो | 02 | जनसमूह | जनसमूह | जनसमूह |
| 13 | महत्वपूर्ण दिवस | | | | |
| i | “स्वच्छता ही सेवा” जागरूकता अभियान | 01 | 32 | — | 32 |
| 14 | अन्य विभागों के कार्यक्रम में प्रतिभागिता | 11 | 454 | — | 454 |
| | योग | 297 | 2897 | 37 | 2934 |

3.5 (क) अन्य प्रसार कार्यक्रम

| क्र.स. | गतिविधियां | कार्यक्रमों की संख्या | लाभार्थी कृषक | प्रसार कार्यकर्ता | योग |
|--------|---|-----------------------|---------------|-------------------|------------|
| 1 | विश्व महिला दिवस | 01 | 36 | 05 | 41 |
| | सजीव प्रसारण | | | | |
| 1 | पी0एम0 किसान निधि | 01 | 18 | 02 | 20 |
| 2 | प्रशासनिक भवन का लोकापर्ण (आर0एल0बी0सी0ए0यू0, झांसी) | 01 | 15 | 05 | 20 |
| 3 | विश्व खाद दिवस | 01 | 31 | 03 | 34 |
| 4 | स्थापना दिवस (स0व0प0कृषि एवं प्रौ0, मेरठ) | 01 | 17 | — | 17 |
| 5 | किसान सम्मान समारोह | 01 | 216 | 06 | 222 |
| 6 | “स्वच्छता” पखवाडा | 16 | 298 | . | 298 |
| 7 | सुशासन दिवस | 01 | 165 | 04 | 169 |
| 8 | किसान कल्याण मिशन | 03 | 110 | 08 | 118 |
| | योग | 26 | 906 | 33 | 939 |

3.5 (ख) किसानों को लॉकडाउन अवधि में आरोग्य सेतु एप डाउनलोड व सलाहकार सेवाये भेजना –

| क्र.स. | गतिविधियां | लाभार्थी कृषक द्वारा डाउनलोड | प्रसार कार्यकर्ता | योग |
|--------|---------------------------------|------------------------------|-------------------|-----|
| 1 | आरोग्य सेतु एप डाउनलोड | 285 | 05 | 290 |
| 2 | व्हाटस ऐप द्वारा भेजे गये संदेश | 240 | 18 | 258 |

3.6 बीज / पौध का उत्पादन तथा उसका किसानों को विक्रय

(क) धान्य फसलें (व्यावसायिक)–

| क्र.स. | फसल | प्रजाति | मात्रा (कु0) |
|--------|-----------------|-------------------------|--------------|
| 1 | गेहूँ (2019–20) | डब्लू बी0 – 02 | 26.05 |
| 2. | सरसों | पायनोर 45एस042, 45एस046 | 74.45 |
| | | योग | 100.50 |

(ख) पौध उत्पादन एवं बिक्री

| क्र.स. | फसल | केन्द्र पर रोपित/उत्पादित किये पौधों की संख्या | आय | लाभार्थी |
|--------|---------|--|----|----------|
| 1 | | | – | – |
| | कुल योग | | | |

3.7 चक्रीय निधि विवरण

31 दिसम्बर 2020 – रू0 2,76,588.89

3.8 “फसल अवशेषों के यथास्थान प्रबन्धन” जागरूकता अभियान

| क्र. सं. | कार्यक्रम | दिनांक | स्थान | लाभार्थी की सं० | योग |
|----------|--|------------|-----------|-----------------|-----|
| 1 | किसान गोष्ठी | 30.09.2020 | के.वी.के. | 51 | 51 |
| 2 | किसान गोष्ठी | 02.10.2020 | के.वी.के. | 38 | 38 |
| 3 | फसल अवशेषों के लाभ | 05.10.2020 | अटूटा | 28 | 28 |
| 4 | फसल अवशेषों के लिये कृषि यंत्रों का प्रयोग | 07.10.2020 | कनिया | 34 | 34 |

3.9 “पोषण माह” के अन्तर्गत करायी गयी महिला किसान गोष्ठी

| क्र. सं. | गतिविधियां | दिनांक | स्थान | कार्यक्रमों की संख्या | लाभार्थी कृषकों की सं० |
|----------|---|--------------------|--------------------|-----------------------|------------------------|
| 1 | पोषण माह का महत्व | 16 सितम्बर 2020 | के.वी.के. परिसर | 01 | 25 |
| 2 | किसान गोष्ठी | 17 सितम्बर 2020 | अटूटा | 01 | 108 |
| 3 | रेडियो वार्ता एवं टी0वी0 (टेरिस गार्डन) | 25 सितम्बर 2020 | के.वी.के. परिसर | 01 | जनसमूह |
| 4 | किसान गोष्ठी एवं कृषक महिलाओं से सीधा संवाद | 30 सितम्बर 2020 | के.वी.के. परिसर | 01 | 50 |
| 5 | पीपल पौध रोपण (10 पौधे) | 17 सितम्बर 2020 | अटूटा | 01 | 108 |

3.9 (क) “महिला किसान दिवस” के अन्तर्गत महिला कृषक गोष्ठी एवं विश्व हाथ स्वच्छ दिवस

| क्र.सं० | दिनांक | स्थान का नाम | कुल लाभार्थियों की सं० |
|---------|------------|-----------------|------------------------|
| 1 | 15.10.2020 | के.वी.के. परिसर | 51 |
| 2 | 15.10.2020 | के.वी.के. परिसर | 51 |

कार्यसूची – 4.0

जनवरी 2021–दिसम्बर, 2021 हेतु प्रस्तावित कार्यक्रम

(जनवरी 2021 से दिसम्बर 2021)

| प्रक्षेत्र परीक्षण | | प्रथम पंक्ति प्रदर्शन | |
|------------------------------|-------------------|-----------------------|--------------------------|
| 1 | | 2 | |
| प्रक्षेत्र परीक्षण की संख्या | कृषकों की संख्या | प्रथम पंक्ति प्रदर्शन | प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०) |
| लक्ष्य | लक्ष्य | लक्ष्य | लक्ष्य |
| 07 | 36 कृषक एवं 8 पशु | 135 कृषक एवं 10 पशु | 44.0 |

एन०एफ०एस०एम० के योजनान्तर्गत समूह दलहन/तिलहन प्रदर्शन का विवरण

| प्रथम पंक्ति प्रदर्शन | |
|-----------------------|--------------------------|
| 1 | |
| प्रथम पंक्ति प्रदर्शन | प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०) |
| लक्ष्य | लक्ष्य |
| 125 | 50.0 |

| प्रशिक्षण | | प्रसार गतिविधियां | |
|------------------|----------|-------------------|----------|
| 3 | | 4 | |
| प्रशिक्षण संख्या | लाभार्थी | गतिविधियाँ | लाभार्थी |
| लक्ष्य | लक्ष्य | लक्ष्य | लक्ष्य |
| 88 | 1520 | 362 | 5439 |

| बीज उत्पादन | पौध |
|--------------|--------|
| 5 | 6 |
| लक्ष्य (कु०) | लक्ष्य |
| 400 | 20000 |

4.1 प्रक्षेत्र परीक्षण (ओ.एफ.टी.)

केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा जनपद में निम्न प्रयोग प्रदर्शन प्रस्तावित हैं

फसलोत्पादन

प्रक्षेत्र परीक्षण-1 एकीकृत फसल प्रबन्धन

फसल-गन्ना (जायद 2021)

| | |
|---------------------|--|
| विषय | वसन्तकालीन गन्ना के साथ उर्द सहफसल का मूल्यांकन |
| समस्या | गन्ना एकल फसल की कम पैदावार होना |
| कृषि क्षेत्र | सिंचित |
| तकनीकी | टी1 : कृषक पद्धति- एकल गन्ना टी2 : गन्ना + उर्द |
| कृषक संख्या | 03 |
| पुनरावृत्ति | 02 |
| कुल क्षेत्रफल (हे०) | 0.6 |
| कृषि निवेश | उर्द का 15 कि०ग्रा०/हे० बीज |
| उत्पादन चक्र | धान-गेहूँ-गन्ना |
| तकनीक का स्रोत | आई० आई० एस० आर० लखनऊ एंव मेरठ |
| कुल लागत | रु० 8000/- अनुमानित |
| चिन्हित मापदण्ड | 1. मुख्य फसल में कल्लों की संख्या प्रति वर्ग मी०, 2. उपज (कु०/हे०) 3. सह फसल की उपज 4. आय व्यय अनुपात |

मृदा विज्ञान

प्रक्षेत्र परीक्षण-2 एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन

फसल-धान(खरीफ-2021)

| | |
|---------------------|--|
| विषय | मृदा परीक्षण के आधार पर धान फसल में पोषक तत्वों का मूल्यांकन |
| समस्या | असन्तुलित उर्वरकों के कारण धान की कम पैदावार |
| कृषि क्षेत्र | सिंचित |
| तकनीकी | टी1 : कृषक पद्धति (12:60:40:0) एन.:पी.:के.:एफई. टी2 : मृदा परीक्षण के आधार पर पोषक तत्वों का प्रयोग |
| कृषक संख्या | 05 |
| पुनरावृत्ति | 02 |
| कुल क्षेत्रफल (हे०) | 2.0 |
| कृषि निवेश | फेरस सल्फेट 6 किग्रा०/हे० |
| उत्पादन चक्र | धान-गेहूँ |
| तकनीक का स्रोत | स०व०भ०प० कृषि एंव प्रौ० वि०वि०,मेरठ |
| कुल लागत | रु० 500/- अनुमानित |
| चिन्हित मापदण्ड | 1. कल्लों की संख्या प्रति वर्ग मी०,उपज (कु०/हे०) 2. 1000 दानों का वजन 3. उपज (कु०/हे०) 4. कल्लों की संख्या 5. आय व्यय अनुपात |

मृदा विज्ञान

प्रक्षेत्र परीक्षण-03 फसल अवशेष प्रबन्धन

फसल-गेहूँ (रबी-2021-22)

| | |
|---------------------|---|
| विषय | फसल अवशेष प्रबन्धन |
| समस्या | फसल अवशेषोंको जलाने के कारण मृदा में जीवाशम की कमी |
| कृषि क्षेत्र | सिंचित |
| तकनीकी | टी1 : कृषक पद्धति (फसल अवशेषों को जलाना) टी2 : डिकम्पोजर का प्रयोग फसल अवशेषों को जलाने से पूर्व एवं जलाने के बाद का प्रभाव एवं फसल अवशेषों को सडाने हेतु डिकम्पोजर का प्रयोग |
| कृषक संख्या | 10 |
| पुनरावृत्ति | 05 |
| कुल क्षेत्रफल (हे०) | 1.2 |
| कृषि निवेश | डिकम्पोजर का प्रयोग |
| उत्पादन चक्र | गेहूँ (रबी-2021-22) |
| तकनीक का स्रोत | आई०ए०आर०आई०,नई दिल्ली |
| कुल लागत | 1000 /- |
| दिन्हित मापदण्ड | <ol style="list-style-type: none"> 1. कल्लों की संख्या प्रति वर्ग मी०,उपज (कु०/हे०) 2. 1000 दानो का वजन 3. परिक्षण से पूर्व व बाद मे जीवांश की मात्रा 4. आय व्यय अनुपात 5. उपज (कु०/हे०) |

पादप प्रजनन

प्रक्षेत्र परीक्षण-04 प्रजातिय मूल्यांकन

फसल-धान (खरीफ-2021)

| | |
|---------------------|---|
| विषय | उच्च उत्पादकता के लिये विकसित सुगन्धित धान प्रजाति की अनुकूलन क्षमता का मूल्यांकन |
| समस्या | धान की पुरानी सुगन्धित प्रजातियों का कम उत्पादन |
| कृषि क्षेत्र | सिंचित |
| तकनीकी | टी1 : पी०बी०-1121(कृषक पद्धति) टी2 : पी०बी०-1718(उपलब्धतानुसार) |
| कृषक संख्या | 05 |
| पुनरावृत्ति | 02 |
| कुल क्षेत्रफल (हे०) | प्लाट साइज - 800 वर्ग मी०/ उपचार (0.8 हे०) |
| कृषि निवेश | धान की प्रजाति का बीज 30 कि०ग्रा०/हे० |
| उत्पादन चक्र | धान-गेहूँ |
| तकनीक का स्रोत | भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली |
| कुल लागत | रु० 4500 /- अनुमानित |
| आंकडे | कल्लों की संख्या प्रति वर्ग मी०,उपज (कु०/हे०) आय-व्यय का अनुपात |

पादप प्रजनन

प्रक्षेत्र. परीक्षण-05 प्रजातीय मूल्यांकन

फसल-गेहूँ (रबी-2021-22)

| | |
|---------------------|---|
| विषय | उच्च उत्पादकता के लिये विकसित गेहूँ की प्रजाति की अनुकूलन क्षमता का मूल्यांकन (एन.डब्लू.पी.जेड) |
| समस्या | गेहूँ की पुरानी प्रजातियों का करनाल बंट एवं पीला रतुआ रोग के कारण कम उत्पादन |
| कृषि क्षेत्र | सिंचित |
| तकनीकी | टी1 : पी0बी0-550 (कृषक पद्धति) टी2 : डी0बी0डब्लू-303 |
| कृषक संख्या | 05 |
| पुनरावृत्ति | 02 |
| कुल क्षेत्रफल (हे0) | प्लाट साइज - 1600 वर्ग मी0 / उपचार (0.8 हे0) |
| कृषि निवेश | बीज- डी0बी0डब्लू-303 का 100 कि०ग्रा० प्रति है0 |
| उत्पादन चक्र | धान-गेहूँ पद्धति |
| तकनीक का स्रोत | आई०आई0डब्लू0बी0आर0, करनाल |
| कुल लागत | रु० 6700/- अनुमानित |
| आंकड़े | कल्लों की संख्या प्रति वर्ग मी०, उपज (कु०/हे०) आय-व्यय का अनुपात |

पशु विज्ञान

प्रक्षेत्र परीक्षण-06 डेयरी पोषक तत्व प्रबन्धन

| | |
|--------------------|---|
| फसल/उद्यम | भैंस (2021) |
| समस्या | भैंस में बाझपन की समस्या |
| शीर्षक | खनिज मिश्रण द्वारा पशुओं में बाझपन रोग नियंत्रण हेतु मूल्यांकन |
| उपचार | टी 1- कृषक पद्धति (परम्परागत पशु आहार) टी 2- खनिज मिश्रण पाउडर / पशु/दिन) |
| तकनीकी स्रोत | आई0 वी0 आर0 आई0 बरेली / राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल |
| प्रदर्शन की संख्या | 05 |
| कृषक संख्या/पशु | 05/05 |
| निवेश | खनिज मिश्रण पाउडर |
| प्रेक्षण | गर्भाधान दर दूध उत्पादन सी0बी0: अनुपात |
| कुल व्यय | रु0 6000/- |

पशु विज्ञान

प्रक्षेत्र परीक्षण-07 डेयरी पोषक तत्व प्रबन्धन

| | |
|-----------------------------------|--|
| फसल/उद्यम | भैंस (2021-22) |
| समस्या | परम्परागत एवं बाईपास प्रोटीन पशु आहार (Bye-pass Protien feed) द्वारा दुध उत्पादन बढ़ाना |
| शीर्षक | बाईपास प्रोटीन पशु आहार द्वारा दुध उत्पादन में वृद्धि |
| उत्पादन पद्धति | मिश्रित खेती (दुग्ध उत्पादन + फसल उत्पादन) |
| उपचार | टी01- कृषक पद्धति (परम्परागत पशु आहार) टी02- बाईपास प्रोटीन आहार का प्रयोग 04 किलोग्राम /दिन/पशु) |
| तकनीकी स्रोत | आई0वी0आर0आई0, इज्जत नगर, बरेली/राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल |
| प्रदर्शनो की संख्या | 03 |
| पशुओं की संख्या | 03 |
| पशुपालकों को दिया जाने वाला निवेश | बाईपास पशु आहार (Bye-pass Protien feed) |
| प्रेक्षण | 1. समय पर गर्मी में आना। 2. दूग्ध उत्पादन। 3. ब्याने के बाद पशु को गर्मी में आने की अवधि (दिनों में) |
| कुल व्यय | रू0 8400 /- |

4.2 प्रदर्शनों के आयोजन हेतु प्रस्ताव

4.2.1 एन0एफ0एस0एम0 योजनान्तर्गत समूह दलहन/तिलहन प्रदर्शन – जनवरी 2021–दिसम्बर 2021 के लिए प्रथम पंक्ति प्रदर्शन

| क्र० सं० | फसल | विषय क्षेत्र | प्रदर्शित तकनीकी | कृषि निवेश | ऋतु व वर्ष | क्षेत्रफल (हे०) | प्रदर्शन संख्या | चिन्हित मापदण्ड |
|----------|-------|-----------------------|--|--|-------------|-----------------|-----------------|--|
| 1 | सरसों | एकीकृत फसल प्रबन्धन | उन्नत प्रजाति (आर.एच. -0749) के साथ सल्फर, कीट एवं बीमारी प्रबन्धन | <ul style="list-style-type: none"> – उन्नत प्रजाति – जल विलेय उर्वरक (18:18:18) @ 5 किग्रा०/हे० – गंधक @ 25 किग्रा०/हे० – मोनोकोटोफास 36% एस.एल. @ 1.5ली०/हे० – मैकोजेब 75% डब्लू पी. @ 2.0 किग्रा०/हे० कुल व्यय – ₹० 1,80,000 | रबी 2021-22 | 20.0 | 50 | <ul style="list-style-type: none"> – उपज (कु०/हे०) – लाभ – आय व्यय अनुपात |
| 2 | उर्द | एकीकृत फसल प्रबन्धन, | उन्नत प्रजाति (मास - 479) के साथ पोषक तत्व, खरपतवार, कीट एवं बीमारी प्रबन्धन | <ul style="list-style-type: none"> – उन्नत प्रजाति का बीज (मास - 479) – इमेजाथाइपर @ 625 मिली०/हे० – जल विलेय उर्वरक (18:18:18) @ 5 किग्रा०/हे० – गंधक @ 25 किग्रा०/हे० – एपीडाक्लोरपिड @ 250 मिली०/हे० कुल व्यय – ₹० 1,80,000 | खरीफ 2021 | 20.0 | 50 | <ul style="list-style-type: none"> – उपज (कु०/हे०) – लाभ – आय व्यय अनुपात |
| 2 | मसूर | – एकीकृत फसल प्रबन्धन | – उन्नत प्रजाति पी०एल० - 8 के साथ पोषक तत्व, कीट एवं बीमारी प्रबन्धन | <ul style="list-style-type: none"> – बीज पी०एल० - 8 4 कुन्तल – गंधक @ 25 किग्रा०/हे० – राइजोबियम कल्चर – जल विलेय उर्वरक (18:18:18) @ 5 किग्रा०/हे० – मैकोजेब 75% डब्लू पी. @ 2.0 किग्रा०/हे० – मोनोकोटोफास 36% एस.एल. @ 1.5ली०/हे० कुल व्यय – ₹० 90,000.00 | रबी 2021-22 | 10.0 | 25 | <ul style="list-style-type: none"> – उपज (कु०/हे०) – लाभ – आय व्यय अनुपात |

एन0एफ0एस0एम0 योजनान्तर्गत क्लस्टर प्रदर्शन -

| क्रम.सं0 | फसल | क्षेत्रफल (हे0) | कृषक की सं0 |
|----------|---------------------|-----------------|-------------|
| 1 | उर्द (खरीफ - 2021) | 20.0 हे0 | 50 |
| 2 | मसूर (रबी 2021-22) | 10.0 हे0 | 25 |
| 3 | सरसों (रबी 2021-22) | 20.0 हे0 | 50 |
| | कुल योग | 50.0 हे0 | 125 |

4.2.2 प्रथम पंक्ति प्रदर्शन (अन्य) –

(जनवरी 2021 से दिसम्बर 2021 तक)

| क्र. सं. | फसल | विषय क्षेत्र | प्रदर्शित तकनीक | प्रजाति | प्रदर्शन संख्या | कुल क्षेत्रफल (हे०) | कृषि निवेश | कुल व्यय (रु०) |
|----------------------|----------------------|--------------------------------|---|-------------------------------------|-----------------|---------------------|--|----------------|
| 1. फसलोत्पादन | | | | | | | | |
| 1. | धान (खरीफ 2021) | खरपतवार प्रबन्धन | पाइरेजोसल्फयूरान 10 डब्लू०पी० 375 ग्रा०/हे० द्वारा खरपतवार नियंत्रण | पूसा-1509 | 15 | 6.0 | खरपतवारनाशी (पाइरेजोसल्फयूरान 10डब्लू०पी०375 ग्रा०/हे०) | 15000 |
| 2. | गेहूँ (रबी 2021-22) | खरपतवार प्रबन्धन | गेहूँ फसल में कारफेन्टा जोन 50 डब्लू० पी० 50ग्राम प्रति हे० द्वारा खरपतवार नियंत्रण | डी०बी० डब्लू 621-50 / एच०डी० - 2967 | 15 | 6.0 | खरपतवारनाशी कारफेन्टा जोन 50 डब्लू० पी०@ 20 ग्राम/ हे० | 15000 |
| 3 | गन्ना (जायद - 2021) | गन्ना फसल में खरपतवार प्रबन्धन | खरपतवारनाशी मेट्रीब्यूजन 70 डब्लू पी० का प्रयोग | को०-0238 | 15 | 6.0 | खरपतवारनाशी मेट्रीब्यूजन 70 डब्लू पी० 1.0 किग्रा/ हे० कुल लागत रु० 5000/- | 5000 |

| क्र. सं. | फसल | विषय क्षेत्र | प्रदर्शित तकनीक | प्रजाति | प्रदर्शन संख्या | कुल क्षेत्रफल (हे०) | कृषि निवेश | कुल व्यय (रु०) |
|------------------------|-----------------|---------------------|-------------------------------------|--------------|-----------------|---------------------|---|----------------|
| 2. पादप सुरक्षा | | | | | | | | |
| 1 | धान (खरीफ 2021) | एकीकृत कीट प्रबन्धन | धान में भूरा फुदका कीट का नियन्त्रण | संकर/ बासमती | 10 | 4.0 | बुप्रोपयूजिन 25 एस०सी० 1.0 ली०/ हे०(दो छिडकाव 5.0 ली० | 3000 |

| क्र. सं. | फसल | विषय क्षेत्र | प्रदर्शित तकनीक | प्रजाति | प्रदर्शन संख्या | कुल क्षेत्रफल (हे०) | कृषि निवेश | कुल व्यय (रु०) |
|------------------------|-----------------------|--|---|-------------|-----------------|---------------------|---|----------------|
| 3. मृदा विज्ञान | | | | | | | | |
| 1. | धान (खरीफ 2021) | समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन का प्रदर्शन | धान में जल विलेय उर्वरको का प्रयोग (12.5 किग्रा०/ हे०) | पूसा -1509 | 15 | 6.0 | 18:18:18 एन.पी.के. 12.5 किग्रा०/ हे० @ 100/ Kg मूल्य- 1250/ हे० | 7500/- |
| 2. | गेहूँ (रबी - 2021-22) | समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन | गेहूँ में जल विलेय उर्वरको का प्रयोग प्रदर्शन (12.5 किग्रा०/ हे०) | एच०डी० 2967 | 15 | 6.0 | 18:18:18 एन.पी.के. 12.5 किग्रा०/ हे० @ 100/ Kg मूल्य- 1250/ हे० | 7500/- |

| क्र. सं. | फसल | विषय क्षेत्र | प्रदर्शित तकनीक | प्रजाति | प्रदर्शन संख्या | कुल क्षेत्रफल (हे०) | कृषि निवेश | कुल व्यय (रु०) |
|-----------------------|---------------------|-------------------|--|-------------------|-----------------|---------------------|--------------|----------------|
| 4. पादप प्रजनन | | | | | | | | |
| 1. | धान (खरीफ 2021) | प्रजातीय प्रदर्शन | नई विकसित सुगन्धित धान की अधिक उत्पादन देने वाली प्रजाति का प्रदर्शन | Pusa 1718 | 10 | 4.0 | धान का बीज | 15000 |
| 2 | गेहूँ (रबी 2021-22) | प्रजातीय प्रदर्शन | नई गेहूँ प्रजाति का परिचय | डी.बी.डब्लू - 187 | 10 | 4.0 | गेहूँ का बीज | 15000 |

5. पशु विज्ञान

| विवरण | उद्देश्य | प्रदान की जाने वाली विशिष्ट तकनीक | पशुओं का प्रकार | नस्ल | पशुओं की संख्या | आवश्यक अवयव |
|------------------------------|-----------------------------|-----------------------------------|-----------------|--------|-----------------|-------------|
| खनिज लवणों का खाने में उपयोग | पशुओं को खनिज मिश्रण दीजिये | खनिज लवण | भैंस | मुर्रा | 10 | खनिज लवण |

| फसल | उद्देश्य | प्रजाति | प्रदर्शन की संख्या | क्षेत्रफल हे० | कृषक पद्धति | प्रदान की जाने वाली विशिष्ट तकनीक | आवश्यक अवयव |
|----------------------|---------------------|---------------|--------------------|---------------|-----------------|-----------------------------------|-------------------------------|
| रबी (2021-22) | | | | | | | |
| बरसीम | अधिकतम चारा उत्पादन | उन्नत प्रजाति | 10 | 1.0 | देशी प्रजातियाँ | उन्नतशील प्रजातियाँ | उन्नतशील प्रजातीय बीज एवं खाद |
| जई | अधिकतम चारा उत्पादन | उन्नत प्रजाति | 10 | 1.0 | देशी प्रजातियाँ | उन्नतशील प्रजातियाँ | उन्नतशील प्रजातीय बीज एवं खाद |

4.3 प्रशिक्षण

जनवरी 2021–दिसम्बर 2021 हेतु कृषक, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवकों/युवतियों तथा प्रसार कार्यकर्त्ताओं हेतु प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नवत है :-

प्रशिक्षणों का संक्षिप्त विवरण

| क्र० सं० | विभाग | कृषक युवक एवं युवतियों को प्रशिक्षण | | ग्रामीण युवक एवं युवतियों हेतु | प्रसार कार्यकर्त्ता | कुल योग |
|----------|----------------|-------------------------------------|-----------------|--------------------------------|---------------------|-----------|
| | | केन्द्र पर | केन्द्र के बाहर | | | |
| 1 | फसल उत्पादन | 07 | 07 | 01 | 01 | 16 |
| 2 | मृदा विज्ञान | 07 | 07 | 02 | 05 | 21 |
| 3 | फसल सुरक्षा | 04 | 04 | — | 01 | 09 |
| 4 | पादप प्रजनन | 05 | 09 | 03 | 04 | 21 |
| 5 | पशु विज्ञान | 04 | 10 | 02 | 05 | 21 |
| | कुल योग | 27 | 37 | 08 | 16 | 88 |

(अ) कृषक युवक एवं युवतियों हेतु (केन्द्र पर)

| विषय | प्रशिक्षण का विषय | दिनांक | अवधि (दिन) | प्रतिभागियों की संख्या | |
|------|-------------------|--------|---------------|------------------------|---------|
| | | | | पुरुष | महिलाएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |

प्रथम तिमाही (जनवरी 2021 से मार्च 2021 तक)

| | | | | | |
|--------------|--|---------------|---|----|---|
| फसलोत्पादन | 1. बसन्तकालीन गन्ना के साथ उर्द/मूंग की सहफसली उत्पादन तकनीकी । | 10 मार्च 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. मृदा उर्वरता बढ़ाने में फसल अवशेषों का महत्व एवं उपयोग विधि । | 25 मार्च 2021 | 1 | 18 | 2 |
| मृदा विज्ञान | 1. गेहूँ फसल में जल विलेय उर्वरकों का महत्व एवं उपयोग विधि । | 08 जनवरी 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. गन्ना फसल पोषक एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व । | 18 फरवरी 2021 | 1 | 18 | 2 |
| फसल सुरक्षा | गन्ना फसल की बीमारी प्रबन्धन । | 19 मार्च 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पशु पालन | शीत ऋतु में नवजात बछड़ों की देखभाल एवं आहार प्रबन्धन | 11 जनवरी 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पादप प्रजनन | 1. अवांछनीय पौधों को गेहूँ फसल से अवमुक्त कराना एवं उनका महत्व । | 20 जनवरी 2021 | 1 | 18 | 2 |

द्वितीय तिमाही (अप्रैल 2021 से जून 2021 तक)

| | | | | | |
|--------------|---|----------------|---|----|---|
| फसलोत्पादन | 1. गन्ना पेडी के साथ उड़द की सह फसल उत्पादन तकनीकी | 06 अप्रैल 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. धान की सीधी बुवाई की तकनीकी | 21 मई 2021 | 1 | 18 | 2 |
| मृदा विज्ञान | 1. फसल उत्पादन में मृदा प्ररीक्षण का महत्व एवं तकनीक | 15 मई 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. धान फसल में बायो-फर्टिलाजर का महत्व | 10 जून 2021 | 1 | 18 | 2 |
| फसल सुरक्षा | कद्दू वर्गीय सब्जियों में कीट एवं बीमारियों का प्रबन्धन | 18 अप्रैल 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पादप प्रजनन | 1. उर्द एवं मूंग बीज उत्पादन तकनीक । | 12 अप्रैल 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. कद्दू वर्गीय सब्जियों का बीज उत्पादन । | 27 अप्रैल 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पशु पालन | 1. यूरिया के उपचार से गेहूँ का भूसा एवं धान पुआल की गुणवत्ता बढ़ाने की विधि | 13 अप्रैल 2021 | 1 | 18 | 2 |

तृतीय तिमाही (जुलाई 2021 से सितम्बर 2021 तक)

| | | | | | |
|--------------|---|-----------------|---|----|---|
| फसल उत्पादन | 1. धान फसल में एकीकृत खरपतवार प्रबन्धन । | 25 जुलाई 2021 | 1 | 18 | 2 |
| मृदा विज्ञान | 1. धान में जल विलेय उर्वरको का महत्व एवं उपयोग तकनीकी । | 15 सितम्बर 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. तिलहनी फसलों में सल्फर का महत्व | 25 सित0 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पादप प्रजनन | 1. सुगन्धित धान बीज उत्पादन तकनीकी । | 28 जुलाई 2021 | 1 | 18 | 2 |
| फसल सुरक्षा | 1. उर्द फसल में एकीकृत कीट प्रबन्धन । | 16 अगस्त 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पशु पालन | 1. दूधारू पशुओं को खनिज मिश्रण खिलाने का महत्व । | 17 जुलाई 2021 | 1 | 18 | 2 |

चतुर्थ तिमाही (अक्टूबर 2021 से दिसम्बर 2021 तक)

| | | | | | |
|--------------|---|-----------------|---|----|---|
| फसल उत्पादन | मृदा में जीवांश बढ़ाने में फसल अवशेष का उपयोग एवं महत्व । | 10 अक्टू0 2021 | 1 | 18 | 2 |
| मृदा विज्ञान | फसल अवशेष प्रबन्धन एवं बेस्ट डीकम्पोजर का उपयोग तकनीकी । | 21 अक्टू0 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पादप प्रजनन | 1. तोरिया/सरसों बीज उत्पादन तकनीक । | 06 अक्टू0 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. उच्च उत्पादकता के लिये गन्ने की प्रजातियों को पहचाना एवं उनका मूल्यांकन करना । | 15 अक्टू0 2021 | 1 | 18 | 2 |
| फसल सुरक्षा | रबी दलहनो में एकीकृत कीट एवं बीमारी प्रबन्धन । | 16 नवम्बर 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पशु पालन | 1. गाय एवं भैसों में सन्तुलित पशु आहार का महत्व । | 06 अक्टूबर 2021 | 1 | 18 | 2 |

(ब) कृषक युवक एवं युवतियों हेतु (केन्द्र से बाहर)

| विषय | प्रशिक्षण का विषय | दिनांक | अवधि (दिन) | प्रतिभागियों की संख्या | |
|------|-------------------|--------|---------------|------------------------|---------|
| | | | | पुरुष | महिलाएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |

प्रथम तिमाही (जनवरी 2021— मार्च 2021)

| | | | | | |
|--------------|---|----------------|---|----|---|
| फसल उत्पादन | 1 गन्ना पेडी प्रबन्धन | 28जनवरी 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2 बसन्तकालीन गन्ना के साथ सह-फसलो की उत्पादन तकनीक | 03 फरवरी 2021 | 1 | 18 | 2 |
| मृदा विज्ञान | 1. गन्ना फसल में सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व । | 11 जनवरी 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. मृदा नमूना लेने की विधि एवं मृदा परीक्षण का महत्व । | 20 फरवरी 2021 | 1 | 18 | 2 |
| फसल सुरक्षा | जायद फसलों का बीज शोधन की तकनीकी एवं महत्व । | 12 फरवरी 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पादप प्रजनन | 1. गुणवत्तायुक्त गेहूँ बीज प्रजातियों की उत्पादन तकनीक । | 12 फरवरी, 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. गेहूँ में पृथक्करण दूरी एवं रोगिंग की आवश्यकता एवं महत्व । | 17 मार्च, 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पशु पालन | 1. बड़े पशुओं में सर्वांगिक बीमारी जैसे एफ. एम.डी. गला घोटू रोगों के लक्षण एवं बचाव के उपाय । | 07 फरवरी, 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. दूधारू पशुओं में थनैला की समस्या लक्षण एवं उपचार | 15 मार्च, 2021 | 1 | 18 | 2 |

द्वितीय तिमाही (अप्रैल 2021 से जून 2021 तक)

| | | | | | |
|--------------|--|----------------|---|----|---|
| फसल उत्पादन | गन्ना की पछेती बुवाई की उत्पादन तकनीक । | 10 अप्रैल 2021 | 1 | 18 | 2 |
| मृदा विज्ञान | गन्ना फसल में समन्वित पोषक तत्वों का महत्व । | 25 मई 2021 | 1 | 18 | 2 |
| फसल सुरक्षा | गन्ना फसल के एकीकृत कीट प्रबन्धन । | 15 अप्रैल 2021 | 1 | 18 | 2 |

| | | | | | |
|----------------|--|-------------------|---|----|---|
| पादप प्रजनन | 1. मूंग बीज उत्पादन तकनीकी । | 15 अप्रैल 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. बासमती धान उत्पादन तकनीकी । | 08 मई 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पशु पालन | वर्ष भर हरे चारे का उत्पादन तकनीक | 12 मई 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | गर्मियों में दूधारू पशुओं का प्रबन्धन | 20 मई 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | दूधारू पशुओं एवं बछीया में सन्तुलित पशु आहार का महत्व | 29 मई 2021 | 1 | 18 | 2 |

तृतीय तिमाही (जुलाई 2021 से सितम्बर 2021 तक)

| | | | | | |
|----------------|--|------------------|---|----|---|
| फसल उत्पादन | 1. शरदकालीन गन्ना के साथ सहफसलों की उत्पादन तकनीकी | 20 सित0 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. सरसों फसल में विरलीकरण एवं गंधक का महत्व | 28 सित0 2021 | 1 | 18 | 2 |
| मृदा विज्ञान | 1.वर्मी एवं नैडेप कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक । | 17 जुलाई 2020 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. जल संरक्षण में मल्लिचंग का महत्व । | 02 अगस्त 2020 | 1 | 18 | 2 |
| फसल सुरक्षा | खरीफ फसलों में दीमक कीट का प्रबन्धन । | 20 जुलाई 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पादप प्रजनन | 1. सुगन्धित धान का बीज उत्पादन । | 28 जुलाई 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. बासमती धान में दूसरी प्रजातियों को पहचाने एवं अवांछित पौधों को निकालने की तकनीक । | 06 अगस्त 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पशु पालन | पशुओं में पेट के कीड़े मारने वाली दवाई का प्रयोग । | 14 जुलाई 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | दूधारू पशुओं में बाझपन प्रबन्धन । | 11 अगस्त 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | दूधारू पशुओं हेतु सन्तुलित पशु आहार प्रबन्धन । | 13 सित0 2021 | 1 | 18 | 2 |

| चतुर्थ तिमाही (अक्टूबर 2021 से दिसम्बर 2021 तक) | | | | | |
|--|---|-----------------|---|----|---|
| फसल उत्पादन | 1. समय से बोये जाने वाले गेहूँ की उत्पादन तकनीकी । | 25 अक्टू0 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2 गेहूँ में खरपतवार प्रबन्धन । | 04 दिसम्बर 2021 | 1 | 18 | 2 |
| मृदा विज्ञान | 1. रबी फसल में जल विलेय उर्वरको का महत्व । | 29 अक्टू0 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. रबी फसलों में जल संरक्षण की प्रभावी विधियाँ । | 16 नवम्बर 2021 | 1 | 18 | 2 |
| फसल सुरक्षा | आलू फसल में अगेती व पिछेती झुलसा बीमारी का प्रबन्धन । | 18 दिसम्बर 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पादप प्रजनन | 1. गन्ने की अधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियों का चयन । | 07 अक्टू0 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 2. सरसों बीज उत्पादन तकनीक । | 16 अक्टू0 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | 3. गुणवत्तायुक्त गेहूँ बीज उत्पादन में पृथक्करण दूरी का महत्व | 16 नवम्बर 2021 | 1 | 18 | 2 |
| पशु पालन | नवजात बछड़े का रखरखाव एवं देखभाल | 08 नवम्बर 2021 | 1 | 18 | 2 |
| | ठंड के मौसम में दूधारू पशुओं एवं नवजात बच्चे की देखभाल | 09 दिसम्बर 2021 | 1 | 18 | 2 |

(स) ग्रामीण युवक एवं युवतियों को रोजगार परक प्रशिक्षण (केन्द्र पर एवं केन्द्र के बाहर)

| विषय | प्रशिक्षण का विषय | माह | अवधि (दिन) | प्रतिभागियों की संख्या | |
|---|--|--------------------|---------------|------------------------|---------|
| | | | | पुरुष | महिलाएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| द्वितीय तिमाही (अप्रैल 2021 से जून 2021 तक) | | | | | |
| पादप प्रजनन | कददू वर्गीय सब्जियों का बीज उत्पादन तकनीकी । | 18-22 जून 2021 | 5 | 8 | 2 |
| पशु पालन | डेयरी फार्मिंग । | 14-18 जून 2021 | 5 | 8 | 2 |
| तृतीय तिमाही (जुलाई 2021 से सितम्बर 2021 तक) | | | | | |
| मृदा विज्ञान | 1. नेडप एवं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक । | 14-18 जुलाई 2021 | 5 | 8 | 2 |
| | 1. ब्लूग्रीन एल्गी एवं एजोला उत्पादन तकनीकी । | 16-20 अगस्त 2021 | 5 | 8 | 2 |
| फसल उत्पादन | 1. मशरूम उत्पादन हेतु कम्पोस्ट बनाने की तकनीकी | 21-25 सितम्बर 2021 | 5 | 8 | 2 |
| पादप प्रजनन | 1. बासमती धान बीज उत्पादन तकनीक । | 20-24 जुलाई 2021 | 5 | 8 | 2 |

| | | | | | |
|--|----------------------------------|--------------------|---|---|---|
| चतुर्थ तिमाही (अक्टूबर 2021 से दिसम्बर 2021 तक) | | | | | |
| पादप प्रजनन | 1. गेहूँ की बीज उत्पादन तकनीकी । | 16-21 नवम्बर 2021 | 5 | 8 | 2 |
| पशु पालन | 1. मुर्गीपालन प्रशिक्षण । | 14-18 दिसम्बर 2021 | 5 | 8 | 2 |

(द) सेवाकालीन प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण (केन्द्र पर /केन्द्र से बाहर)

| विषय | प्रशिक्षण का विषय | माह | अवधि (दिन) | प्रतिभागियों की संख्या | |
|---|---|---------------|------------|------------------------|---------|
| | | | | पुरुष | महिलाएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| प्रथम तिमाही (जनवरी 2021 से मार्च 2021 तक) | | | | | |
| फसल उत्पादन | 1 बसन्तकालीन गन्ना के साथ सह-फसलो की उत्पादन तकनीक । | 23 फरवरी 2021 | 1 | 8 | 2 |
| मृदा विज्ञान | 1. मृदा स्वास्थ्य में वर्मी एवं नैडेप कम्पोस्ट का महत्व । | 21 जनवरी 2021 | 1 | 8 | 2 |
| | 2. उर्वरकों के उपयोग में मृदा परीक्षण का महत्व | 21 फरवरी 2021 | 1 | 8 | 2 |
| पशु पालन | 1. बकरी पालन का महत्व | 15 मार्च 2021 | 1 | 8 | 2 |
| पादप प्रजनन | 1. गाजर बीज उत्पादन तकनीक । | 10 जनवरी 2021 | 1 | 8 | 2 |

| द्वितीय तिमाही(अप्रैल 2021 से जून 2021 तक) | | | | | |
|---|--|-------------|---|---|---|
| मृदा विज्ञान | 1. फसल उत्पादन में मृदा प्ररीक्षण का महत्व एवं तकनीक | 10 जून 2021 | 1 | 8 | 2 |
| पादप प्रजनन | 1. मूँग बीज उत्पादन तकनीक । | 15 मई 2021 | 1 | 8 | 2 |
| पशु पालन | 1. गर्मियों में दूधारू पशुओं का प्रबन्धन । | 19 मई 2021 | 1 | 8 | 2 |

| तृतीय तिमाही (जुलाई 2021 से सितम्बर 2021 तक) | | | | | |
|---|--|---------------|---|---|---|
| मृदा विज्ञान | 1. तिलहनी फसलों में सल्फर का महत्व । | 19 अगस्त 2021 | 1 | 8 | 2 |
| फसल सुरक्षा | 1. फसल उत्पादन में बायो पेस्टीसाइड का महत्व एवं उपयोग विधि । | 10 अगस्त 2021 | 1 | 8 | 2 |
| पादप प्रजनन | 1. बासमती धान बीज उत्पादन एवं प्रजातियों का वर्गीकरण । | 04 सित0 2021 | 1 | 8 | 2 |
| पशु पालन | पशुओं में टीकाकरण का महत्व । | 25 अगस्त 2021 | 1 | 8 | 2 |
| | पशुओं में खनिज मिश्रण एवं विटामिन का महत्व । | 26 सित0 2021 | 1 | 8 | 2 |

| चतुर्थ तिमाही (अक्टूबर 2021 से दिसम्बर 2021 तक) | | | | | |
|--|---|-------------------|---|---|---|
| मृदा विज्ञान | 1. रबी फसल में जल विलेय उर्वरको का महत्व | 29 अक्टू0 2021 | 1 | 8 | 2 |
| पादप प्रजनन | 1. गेहूँ बीज उत्पादन तकनीक । | 14 अक्टू0 2021 | 1 | 8 | 2 |
| पशु पालन | 1. दूधारू पशुओं में खनिज मिश्रण का महत्व एवं बनाने की विधि। | 09 नवम्बर 2021 | 1 | 8 | 2 |

4.4 प्रक्षेत्र कार्य योजना (जनवरी 2021 से दिसम्बर 2021)

| क्र.सं. | विवरण | फसल | प्रजाति | क्षेत्रफल(हे०) |
|---------------|-------------------|-----------------------|---|----------------|
| 1 | खरीफ 2021 | – बीज उत्पादन | | |
| | | धान | पूसा – 1509 या अन्य उत्तमप्रजाति उपलब्धतानुसार | 0.8 |
| | | – हरी खाद | | |
| | | ढेंचा | पन्त ढेंचा – 1 | 2.0 |
| | | – व्यवसायिक | | |
| | | बाजरा | हाईब्रिड | 2.0 |
| 2 | रबी 2020–21 | – जैविक खेती प्रदर्शन | धान (बीज उत्पादन) | 0.4 |
| | | | धान प्रजाति, सब्जी, फल | |
| | | – बाग (अमरूद) | ललित व श्वेता | 0.4 |
| | | | | |
| | | | योग | 5.6 |
| 2 | रबी 2020–21 | – व्यवसायिक | | |
| | | सरसों | आर०एच० – 0749 | 3.0 |
| | | | पूसा सरसों 30 | 1.0 |
| | | – बीज उत्पादन | | |
| | | गेहूँ | एच०डी० – 3226, | 1.50 |
| | | | डीबीडब्लू-173/अन्य | 1.50 |
| | | | उत्तमप्रजाति उपलब्धतानुसार | |
| | | – व्यवसायिक | | |
| | | गेहूँ | प्रजातीय | 1.0 |
| | | – जैविक खेती प्रदर्शन | प्रजातीय गेहूँ, चना, सरसों, | 0.4 |
| | सब्जी व अन्य हेतु | 0.4 | | |
| – बाग | अमरूद | 0.4 | | |
| – बीज उत्पादन | गन्ना | 0.4 | | |
| | | | योग | 9.6 |

4.5 अन्य प्रसार कार्यक्रम

| क्र०सं० | गतिविधियाँ | संख्या |
|---------|--|------------|
| 1 | प्रक्षेत्र दिवस | 05 |
| 2 | किसान गोष्ठी | 01 |
| 3 | किसान मेला | 01 |
| 4 | कृषि प्रदर्शनी | 01 |
| 5 | महत्वपूर्ण दिवस | 03 |
| 6 | मृदा परीक्षण शिविर | 02 |
| 7 | रेडियो वार्ता | 05 |
| 8 | टीवी वार्ता | 02 |
| 9 | लेख | 02 |
| 10 | समाचार पत्रों में लेख | 50 |
| 11 | प्रसार साहित्य | 05 |
| 12 | डाईगिनोस्टिक सेवायें | 10 |
| 13 | केन्द्र पर कृषक भ्रमण | 200 |
| 14 | वैज्ञानिकों का कृषकों के प्रक्षेत्र पर भ्रमण | 50 |
| 15 | कृषि विभाग एवं अन्य विभागों में भागीदारी | 10 |
| 16 | फिल्म शो | 05 |
| 17 | समूह गोष्ठी | 02 |
| 18 | प्री-खरीफ एवं रबी कार्यशाला | 02 |
| 19 | मृदा स्वास्थ्य शिविर | 04 |
| 20 | मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण | 02 |
| 21 | अन्य | — |
| | कुल योग | 362 |

कार्यसूची – 5

अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से

क्षेत्रीय समन्वयक, मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष महोदय का सम्बोधन

कार्यसूची – 6

धन्यवाद प्रस्ताव

आज की इस वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में पधारे माननीय अध्यक्ष,
माननीय मुख्य अतिथि एवं सभी सम्मानित सदस्यों का धन्यवाद।